16 नईदुनिया
रायपुर, शुक्रवार 9 सितंबर, 2022

# अंतरराष्ट्रीय साक्षरता दिवस पर हुआ व्याख्यानमाला

चारामा(नईदुनिया न्यूज)। शासकीय शहीद गेंदसिंह महाविद्यालय के अर्थशास्त्र विभाग एवं आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ द्वारा अंतरराष्ट्रीय साक्षरता दिवस का आयोजन किया गया।इस अवसर पर ट्रांसफारमिंग लिटरेसी लर्निंग स्पेसेस थीम पर व्याख्यानमाला का आयोजन किया गया। अंतरराष्ट्रीय साक्षरता दिवस प्रति वर्ष आठ सितंबर को मनाया जाता है।

सर्वप्रथम आठ सितंबर 1966 को यूनेस्को द्वारा अंतरराष्ट्रीय साक्षरता दिवस मनाया गया था। सर्वप्रथम अर्थशास्त्र विभाग के सहायक प्राध्यापक रवीन्द्र सिंह चंद्रवंशी ने साक्षरता के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि मनुष्य की मूलभूत आवश्यकताओं रोटी, कपड़ा और मकान के जैसे शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधा भी मूलभूत आवश्कताएं है। भारत के तीव्र आर्थिक एवं सामाजिक विकास के लिए साक्षरता की दर को शत.प्रतिशत करना अत्यंत आवश्यक है। महाविद्यालय के प्राचार्य डा. केके मरकाम

कार्यक्रम को संबोधित करते व्याख्याता। ● नईदुनिया

ने इस अवसर पर कहा कि जनसंख्या वृद्धि एवं साक्षरता की दर में विपरीत संबंध होता है। जिस देश की जनसंख्या अधिक है, साक्षरता वहां कम होती है, क्योंकि इसका कारण लैंगिक असमानता एवं गरीबी है। समाजशास्त्र विभाग के सहायक प्राध्यापक डा. आयशा कुरैशी ने अपने उदबोधन में कहा कि समाज के सर्वांगिण विकास में साक्षरता एक महत्वपूर्ण कड़ी है। बिना लैंगिक असमानता के सभी को शिक्षा देना आवश्यक है। व्याख्यानमाला के अंत में इतिहास विभाग के सहायक प्राध्यापक महेश कतलाम ने ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य में अपने विचार रखते हुए कहा कि भारत की साक्षरता दर 1951 में मात्र 18 प्रतिशत थी, जो अंतिम जनगणना 2011 में 74 प्रतिशत थी। इस व्याख्यानमाला में महाविद्यालय के अतिथि व्याख्याता अनूप यादव, कम्प्यूटर आपरेटर धर्मेंद्र सिन्हा, सोमनाथ साहू ,देवलाल कावड़े, नरेश साहू, नंदनी साहू, एनसीसी कैडैटस और अन्य विद्यार्थीगण उपस्थित थे।

## महाविद्यालय में प्रवेश 10 को

चारामा। शासकीय शहीद गेंदसिंह महाविद्यालय चारामा के बीएससी प्रथम वर्ष (बायो/गणित) में प्रवेश के इच्छुक अभ्यर्थी प्रवेश हेतु आवेदन किया है एवं जिनका नाम किसी भी वरियता सूची में नहीं है, महाविद्यालय में निर्धारित रिक्तियों की संख्या पूर्ण नहीं होने के कारण उनके लिए प्रवेश ऑपन काउंसिलिंग (वरियता क्रम में) के माध्यम से प्रवेश 10 सितंबर को सुनिश्चित है। प्रवेश हेतु इच्छुक अभ्यर्थी वांछित दस्तावेजों के साथ उक्त दिनांक को प्रात: 11:00 बजे महाविद्यालय में उपस्थित होकर प्रवेश प्राप्त कर सकते है। ऐसे अभ्यर्थी जिनका नाम प्रथम, द्वितीय, तृतीय एवं चतुर्थ वरियता सूची में था एवं प्रवेश नही ले पाते है, वे भी उक्त तिथि को महाविद्यालय में उपस्थित होकर प्रवेश प्राप्त कर सकते है। -ख

Principal
Govt. Shaheed Gendsingh College Charama
Distt. Uttar Bastar Kanker (C.G.)

नवभारत रायपुर, मंगलवार 12 जुलाई 2022

# विश्व जनसंख्या दिवस पर परिचर्चा का आयोजन

■ नवभारत रिपोर्टर | चारामा.
www.navbharat.news

शासकीय शहीद गेंदसिंह महाविद्यालय चारामा के अर्थशास्त्र, भूगोल विभाग एवं आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ द्वारा विश्व जनसंख्या दिवस के अवसर पर बिलियन की दुनिया के सभी के लिए एक लचीले भविष्य की ओर अवसरों का दोहन और सभी के लिए अधिकार और विकल्प सुनिश्चित करना थीम पर परिचर्चा का आयोजन किया गया. 1990 से प्रतिवर्ष 11 जुलाई को जनसंख्या नियंत्रण के संबंध में जन-जागरूकता लाने के लिए विश्व जनसंख्या दिवस मनाया जाता है. परिचर्चा में सर्वप्रथम महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. के के मरकाम ने कहा कि जनसंख्या वृद्धि एक स्वाभाविक प्रक्रिया है, लेकिन अत्यधिक जनसंख्या वृद्धि के कारण सामाजिक, आर्थिक, राजनैतिक एवं पर्यावरण के क्षेत्र में दुष्प्रभाव पड़ता है. आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ के संयोजक एवं अथशास्त्र विभाग के सहायक प्राध्यापक रवीन्द्र सिंह चंद्रवंशी ने परिचर्चा में कहा कि देश में संसाधनों के हिसाब से जनसंख्या को अनुकूलतम स्तर पर लाना होगा. परिचर्चा में तोकेन्द्र देवांगन (बीए-भाग तीन), देविका सिन्हा (बीएससी-भाग तीन), चम्पेश्वरी सिन्हा (बीए-भाग तीन), जितेश्वरी भास्कर (बीए-भाग तीन) एवं यशोदा देवांगन (बीए-भाग तीन) ने भी भाग ले कर जनसंख्या वृद्धि के कारणों एवं प्रभाव पर अपने-अपने विचार रखे एवं जनसंख्या नियंत्रण हेतु सुझाव दिये. इस अवसर पर महाविद्यालय के एम एल नेताम (सहायक प्राध्यापक, राजनीति विज्ञान), विशाल वार्ष्णेय (सहायक प्राध्यापक, वनस्पति विज्ञान), सुश्री प्रियंका दौलतानी (सहायक प्राध्यापक, वाणिज्य), सुश्री लुकेश्वरी उईके (सहायक प्राध्यापक, वाणिज्य), लक्ष्मीछाया भोजवानी, हितेंद्र बोरकर, धर्मेंद्र सिन्हा, सोमनाथ साहू, मधु कावड़े, जितेंद्र कुमार ठाकुर, देवलाल कावड़े, जितेंद्र नागराज, नरेश साहू, नंदनी साहू एवं विद्यार्थीगण उपस्थित थे.

Principal
Govt. Shaheed Gendsingh College Charama
Distt. Uttar Bastar Kanker (C.G.)

# विश्व जनसंख्या दिवस पर परिचर्चा का आयोजन

**चारामा(नईदुनिया न्यूज)।** सोमवार को शासकीय शहीद गेंदसिंह महाविद्यालय के अर्थशास्त्र, भूगोल विभाग एवं आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ द्वारा विश्व जनसंख्या दिवस का आयोजन किया गया। इस अवसर पर बिलियन की दुनिया सभी के लिए एक लचीले भविष्य की ओर अवसरों का दोहन और सभी के लिए अधिकार और विकल्प सुनिश्चित करना थीम पर परिचर्चा का आयोजन किया गया।

परिचर्चा में बताया गया कि 1990 से प्रतिवर्ष 11 जुलाई को जनसंख्या नियंत्रण के संबंध में जन-जागरूकता लाने के लिए विश्व जनसंख्या दिवस मनाया जाता है। परिचर्चा में सर्वप्रथम महाविद्यालय के प्राचार्य डा. केके मरकाम ने कहा कि जनसंख्या वृद्धि एक स्वाभाविक प्रक्रिया हैं, लेकिन अत्यधिक जनसंख्या वृद्धि के कारण सामाजिक, आर्थिक, राजनैतिक एवं पर्यावरण के क्षेत्र में दुष्प्रभाव पड़ता है। आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ के संयोजक एवं अर्थशास्त्र विभाग के सहायक प्राध्यापक रवींन्द्र सिंह चंद्रवंशी ने कहा कि देश में संसाधनों के हिसाब से जनसंख्या को अनुकूलतम स्तर पर लाना होगा। देश में मानव संसाधन विकास पर अत्यधिक बल देना होगा, जिससे अधिक जनसंख्या को देश के विकास में प्रयोग किया जा सकै।

शासकीय शहीद गेंदसिंह महाविद्यालय में आयोजित परिचर्चा को संबोधित करते। ● नईदुनिया

इस अवसर पर महाविद्यालय के एमएल नेताम सहायक प्राध्यापक, राजनीति विज्ञान, विशाल वार्ष्णेय सहायक प्राध्यापक, वनस्पति विज्ञान, प्रियंका दौलतानी सहायक प्राध्यापक, वाणिज्य, लुकेश्वरी उईके सहायक प्राध्यापक, वाणिज्य, लक्ष्मीछाया भोजवानी, हितेंद्र बोरकर, धर्मेंद्र सिन्हा, सोमनाथ साहू, मधु कावड़े, जितेंद्र कुमार ठाकुर, देवलाल कावड़े, जितेंद्र नागराज, नरेश साहू, नंदनी साहू एवं विद्यार्थीगण उपस्थित थे।

**बढ़ती जनसंख्या से खाद्य व बेरोजगारी का संकट:** डोमेश केमरो गणित के सहायक प्राध्यापक ने कहा कि बढ़ती जनसंख्या ने खाद्य संकट, बेरोजगारी इत्यादि की दर में वृद्धि कर दिया है। परिवार में पीढ़ी दर पीढ़ी बंटवारे के कारण जमीन में कमी आ गई है और इससे रोजगार और व्यवसाय पर भी बुरा प्रभाव डाला है। परिचर्चा में तोकेन्द्र देवांगन, देविका सिन्हा, चम्पेश्वरी सिन्हा, जितेश्वरी भास्कर एवं यशोदा देवांगन ने भी जनसंख्या वृद्धि के कारणों एवं प्रभाव पर अपने-अपने विचार रखे एवं जनसंख्या नियंत्रण हेतु सुझाव दिए।

# विश्व जनसंख्या दिवस : महाविद्यालय में की परिचर्चा

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

**चारामा.** शासकीय शहीद गेंदसिंह महाविद्यालय चारामा के अर्थशास्त्र, भूगोल विभाग एवं आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ द्वारा 11 जुलाई को विश्व जनसंख्या दिवस के अवसर पर 8 बिलियन की दुनिया सभी के लिए एक लचीले भविष्य की ओर अवसरों का दोहन और सभी के लिए अधिकार और विकल्प सुनिश्चित करने थीम पर परिचर्चा का आयोजन किया गया। इस दौरान बताया गया कि 1990 से प्रतिवर्ष 11 जुलाई को जनसंख्या नियंत्रण के संबंध में जन-जागरुकता लाने के लिए विश्व जनसंख्या दिवस मनाया जाता है।

परिचर्चा में सर्वप्रथम महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. केके मरकाम ने कहा कि जनसंख्या वृद्धि एक स्वाभाविक प्रक्रिया है, लेकिन अत्यधिक जनसंख्या वृद्धि के कारण सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक एवं पर्यावरण के क्षेत्र में दुष्प्रभाव पड़ता है। आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ के संयोजक एवं अर्थशास्त्र विभाग के सहायक प्राध्यापक रवीन्द्र सिंह चंद्रवंशी ने परिचर्चा में कहा कि देश में संसाधनों के हिसाब से जनसंख्या को अनुकूलतम स्तर पर लाना होगा। देश में मानव संसाधन विकास पर अत्यधिक बल देना होगा, जिससे अधिक जनसंख्या को देश के विकास में प्रयोग किया जा सके। परिचर्चा में अपना विचार रखते हुए डोमेश केमरो सहायक प्राध्यापक, गणित ने कहा कि बढ़ती जनसंख्या ने खाद्य संकट, बेरोजगारी आदि की दर में वृद्धि कर दिया है। परिवार में पीढ़ी दर पीढ़ी बंटवारे के कारण जमीन में कमी आ गई है। इससे रोजगार और व्यवसाय पर भी बुरा प्रभाव डाला है। परिचर्चा में तोकेन्द्र देवांगन, देविका सिन्हा, चम्पेश्वरी सिन्हा, जितेश्वरी भास्कर एवं यशोदा देवांगन ने भी भाग ले कर जनसंख्या वृद्धि के कारणों एवं प्रभाव पर अपने-अपने विचार रखे एवं जनसंख्या नियंत्रण के सुझाव दिए। इस अवसर पर महाविद्यालय के एमएल नेताम सहायक प्राध्यापक, राजनीति विज्ञान, विशाल वार्ष्णेय सहायक प्राध्यापक, वनस्पति विज्ञान, प्रियंका दौलतानी सहायक प्राध्यापक, वाणिज्य लुकेश्वरी उइके सहायक प्राध्यापक, लक्ष्मीछाया भोजवानी, हितेंद्र बोरकर, धर्मेंद्र सिन्हा, सोमनाथ साहू, मधु कावड़े, जितेंद्र कुमार ठाकुर, देवलाल कावड़े, जितेंद्र नागराज, नरेश साहू, नंदनी साहू उपस्थित थे।

चारामा: विश्व जनसंख्या दिवस पर परिचर्चा करते शिक्षक।

Principal
Govt. Shaheed Gendsingh College Charama
Distt. Uttar Bastar Kanker (C.G.)

नवभारत रायपुर, बुधवार 6 जुलाई 2022

# अंतर्राष्ट्रीय प्लास्टिक बैग मुक्त दिवस पर जन-जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

■ नवभारत रिपोर्टर | चारामा
www.navbharat.news

शासकीय शहीद गेंदसिंह महाविद्यालय चारामा में अंतर्राष्ट्रीय प्लास्टिक बैग मुक्त दिवस पर एनसीसी इकाई एवं आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ द्वारा जन जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया. प्रति वर्ष 03 जुलाई को अंतर्राष्ट्रीय प्लास्टिक बैग मुक्त दिवस पूरे विश्व में मनाया जाता है. 03 जुलाई को अवकाश होने के कारण महाविद्यालय द्वारा यह दिवस 05 जुलाई को मनाया गया. वर्तमान समय में विश्व की सबसे बड़ी समस्या है. पर्यावरण प्रदूषण के कारण सभी पादप और जीव-जंतु इससे प्रभावित हो रहे हैं और भूमंडलीय तापमान में बढ़ोत्तरी हो रही है. प्लास्टिक हमारे जीवन का अभिन्न अंग बन चुका है. प्लास्टिकों में सिंगल यूज प्लास्टिक हमारी पृथ्वी के लिए सबसे ज्यादा हानिकारक है. सिंगल यूज प्लास्टिक को एक बार उपयोग करने के पश्चात फेंक दिया जाता है. प्लास्टिक आसानी से नष्ट नहीं होता है और इस प्रक्रिया में वह वायु, जल एवं थल को प्रदूषित करता है. अतः सिंगल यूज प्लास्टिक का हमें बहिष्कार करना चाहिए. आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ के संयोजक रवीन्द्र सिंह चंद्रवंशी ने कहा कि हमें धीरे-धीरे अपनी जिंदगी से सिंगल यूज प्लास्टिक के उपयोग को कम करना होगा. उन्होंने आगे कहा कि सरकार को इस दिशा में आम जनता को सिंगल यूज प्लास्टिक के प्रयोग को हतोत्साहित करने हेतु कठोर कानून बना कर दृढ़तापूर्वक इस पालन करवाना होगा, तभी हम भारत को प्लास्टिक मुक्त कर पायेंगे. इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य एवं एनसीसी अधिकारी डॉ. के. के. मरकाम ने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि समाज, परिवार एवं देश में विद्यार्थियों को प्लास्टिक बैग के दुष्प्रभावों के बारे में प्रचार-प्रसार करना चाहिए. सभी विद्यार्थियों ने पोस्टर के माध्यम से प्लास्टिक मुक्त भारत हेतु संदेश दिया. जन-जागरूकता कार्यक्रम में महाविद्यालय के वरिष्ठ सहायक प्राध्यापक एमएल नेताम, डोमेश केमरो (सहायक प्राध्यापक गणित), विशाल वार्ष्णेय (सहायक प्राध्यापक वनस्पति विज्ञान), धर्मेंद्र सिन्हा (कम्प्यूटर ऑपरेटर), एनसीसी कैडेटस एवं अन्य विद्यार्थीगण उपस्थित थे.

Principal
Govt. Shaheed Gendsingh College Charama
Distt. Uttar Bastar Kanker (C.G.)

नवभारत
रायपुर, बुधवार 30 जून 2022

# राष्ट्रीय सांख्यिकी दिवस पर व्याख्यानमाला का आयोजन

नवभारत रिपोर्टर | चारामा.
www.navbharat.news

शासकीय शहीद गेंदसिंह महाविद्यालय में 29 जून को अर्थशास्त्र एवं गणित विभाग द्वारा राष्ट्रीय सांख्यिकी दिवस पर व्याख्यानमाला का आयोजन किया गया. भारत सरकार द्वारा 2007 से प्रतिवर्ष 29 जून को राष्ट्रीय सांख्यिकी दिवस के रूप में मनाया जाता है. व्याख्यानमाला में अर्थशास्त्र विभाग के प्रोफेसर रवीन्द्र सिंह चंद्रवंशी ने राष्ट्रीय सांख्यिकी दिवस के महत्व के बारे में प्रकाश डाला. शासकीय महाविद्यालय कुम्हारी दुर्ग के अर्थशास्त्र विभाग से आमंत्रित

विशेष वक्ता डॉ. मुकेश केमरो ने कहा कि सांख्यिकी, गणितीय अर्थशास्त्र और इकोनोमिट्रिक्स के बिना आधुनिक अर्थशास्त्र की कल्पना भी नहीं कर सकते. प्रोफेसर डोमेश ने गणित एवं सांख्यिकी के मध्य विशेष संबंधों पर प्रकाश डालते हुए सांख्यिकी और गणित में रोजगार के विभिन्न अवसरों के बारे में बताया. व्याख्यानमाला के अंत में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. कमलेश कुमार मरकाम ने कहा कि शोध-अनुसंधान के क्षेत्र में सांख्यिकी का महत्वपूर्ण योगदान है. वरिष्ठ सहायक प्राध्यापक मनोहर लाल नेताम, हितेंद्र बोरकर, सीमा यादव, धर्मेंद्र सिन्हा, सुधीर साहू, जितेंद्र ठाकुर, नरेश साहू, जितेंद्र नागराज, नंदनी साहू सहित एमए राजनीति विज्ञान, एमएससी वनस्पति शास्त्र, एमकॉम , बीए अथर्शास्त्र, बीएससी गणित के विद्यार्थी उपस्थित थे.

Principal
Govt. Shaheed Gendsingh College Charam
Distt. Uttar Bastar Kanker (C.G.)

नवभारत रायपुर, बुधवार 16 मार्च 2022

# विश्व उपभोक्ता अधिकार दिवस पर जनजागरुकता कार्यक्रम आयोजित

नवभारत रिपोर्टर | चारामा.
www.navbharat.news

शहीद गेंदसिंह महाविद्यालय में 15 मार्च को फेयर डिजिटल फाईनेंस थीम पर अर्थशास्त्र विभाग के तत्वाधान में विश्व उपभोक्ता अधिकार दिवस पर जन-जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया. उपभोक्ताओं के हितों की रक्षा, उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम/कानून और उनके अधिकारों प्रति जागरूक करने हेतु विश्व उपभोक्ता अधिकार दिवस मनाया जाता है. जन-जागरूकता कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अथर्शास्त्र विभाग के सहायक प्राध्यापक रवीन्द्र सिंह चंद्रवंशी ने उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम 2019 में निहित उपभोक्ता अधिकारों सुरक्षा का अधिकार, सूचना प्राप्त करने का अधिकार, चयन का अधिकार, निराकरण का अधिकार और उपभोक्ता अधिकार के बारे में विस्तार से बताया. वाणिज्य विभाग के सहायक प्राध्यापक प्रियंका दौलतानी ने अपने उद्बोधन में उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम-1986 और उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम-2019 के बीच अंतर को बताते हुए उपभोक्ता अधिकारों के बारे में बताया महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. केके मरकाम ने विश्व उपभोक्ता अधिकार दिवस के इतिहास पर प्रकाश डाला. इस अवसर पर महाविद्यालय के प्रोफेसर डोमेश केमरो, प्रोफेसर प्रियंका दौलतानी, प्रोफेसर अनूप यादव, हितेंद्र बोरकर, धर्मेंद्र सिन्हा, सुधीर साहू, मधु कावड़े, सोमनाथ साहू, नरेश साहू, जितेंद्र कुमार ठाकुर सहित अथर्शास्त्र विषय के विद्यार्थी उपस्थित थे.

कांकेर पत्रिका 10 पत्रिका
कांकेर, बुधवार, 16 मार्च 2022

# कार्यक्रम उपभोक्ता दिवस पर कार्यक्रम आयोजित

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

चारामा. शासकीय शहीद गेंदसिंह महाविद्यालय चारामा में 15 मार्च को फेयर डिजिटल फाईनेंस थीम पर अर्थशास्त्र विभाग के तत्वाधान में विश्व उपभोक्ता अधिकार दिवस के अवसर पर जन-जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान जानकारी देते हुए बताया गया कि 15 मार्च 1962 से प्रति वर्ष 15 मार्च को विश्व उपभोक्ता अधिकार दिवस पूरे विश्व में मनाया जाता है। उपभोक्ताओं के हितों की रक्षा, उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, कानून और उनके अधिकारों प्रति जागरूक करने हेतु विश्व उपभोक्ता अधिकार दिवस मनाया जाता है।

जन-जागरूकता कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अर्थशास्त्र विभाग के सहायक प्राध्यापक रवीन्द्र सिंह चंद्रवंशी ने उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम 2019 में निहित उपभोक्ता अधिकारों, सुरक्षा का अधिकार, सूचना प्राप्त करने का अधिकार, चयन का अधिकार, निराकरण का अधिकार और उपभोक्ता अधिकार के बारे में विस्तार से बताया। प्रोफेसर चंदवंशी ने उपभोक्ताओं के साथ होने वाले शोषण के विरूद्ध अवाज उठाने के लिए विद्यार्थियों से आहवान किया। उपभोक्ता अपने हितों की रक्षा एवं निराकरण हेतु जिला उपभोक्ता फोरमराज्य उपभोक्ता फोरम एवं राष्ट्रीय उपभोक्ता फेरम का सहारा ले सकते हैं। वाणिज्य विभाग के सहायक प्राध्यापक प्रियंका दौलतानी ने अपने उद्बोधन में उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम 1986 और उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम 2019 के बीच अंतर को बताते हुए उपभोक्ता अधिकारों के बारे में बताया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ केके मरकाम ने सर्वप्रथम विश्व उपभोक्ता अधिकार दिवस के इतिहास पर प्रकाश डाला। डॉ मरकाम ने विद्यार्थियों को भ्रामक विज्ञापनों से सावधान रहने को कहा और भ्रामक विज्ञापन और अमानक उत्पादों की शिकायत करने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्रोफेसर डोमेश केमरो सहित अन्य उपस्थित थे।

Principal
Govt. Shaheed Gendsingh College Charama
Distt. Uttar Bastar Kanker (C.G.)

नईदुनिया
रायपुर, बुधवार 16 मार्च, 2022


# उपभोक्ता के अधिकारों को बताया

**चारामा (वि.)।** शासकीय शहीद गेंदसिंह महाविद्यालय में फेयर डिजिटल फाईनेंस थीम पर अर्थशास्त्र विभाग के तत्वावधान में विश्व उपभोक्ता अधिकार दिवस के अवसर पर जन-जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। 15 मार्च 1962 से प्रति वर्ष 15 मार्च को विश्व उपभोक्ता अधिकार दिवस पूरे विश्व में मनाया जाता है। उपभोक्ताओं के हितों की रक्षा, उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम/कानून और उनके अधिकारों प्रति जागरूक करने के लिए विश्व उपभोक्ता अधिकार दिवस मनाया जाता है। जन.जागरूकता कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अर्थशास्त्र विभाग के सहायक प्राध्यापक रवीन्द्र सिंह चंद्रवंशी ने उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम 2019 में निहित उपभोक्ता अधिकारों, सुरक्षा का अधिकार, सूचना प्राप्त करने का अधिकार, चयन का अधिकार, निराकरण का अधिकार और उपभोक्ता अधिकार के बारे में विस्तार से बताया। प्रोफेसर चंदवंशी ने उपभोक्ताओं के साथ होने वाले शोषण के विरूद्ध अवाज उठाने के लिए विद्यार्थियों से आहवान किया।

कार्यक्रम में मौजूद विद्यार्थी व कालेज स्टाफ। ● नईदुनिया

उपभोक्ता अपने हितों की रक्षा एवं निराकरण हेतु जिला उपभोक्ता फोरम, राज्य उपभोक्ता फोरम एवं राष्ट्रीय उपभोक्ता फोरम का सहारा ले सकते हैं। वाणिज्य विभाग के सहायक प्राध्यापक प्रियंका दौलतानी ने अपने उद्बोधन में उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम1986 और उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम.2019 के बीच अंतर को बताते हुए उपभोक्ता अधिकारों के बारे में बताया। महाविद्यालय के प्राचार्य डा. केके मरकाम ने सर्वप्रथम विश्व उपभोक्ता अधिकार दिवस के इतिहास पर प्रकाश डाला। डा. मरकाम ने विद्यार्थियों को भ्रामक विज्ञापनों से सावधान रहने को कहा और भ्रामक विज्ञापन और अमानक उत्पादों की शिकायत करने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्रोफेसर डोमेश केमरो, प्रोफेसर प्रियंका दौलतानी, प्रोफेसर अनूप यादव, हितेंद्र बोरकर, धमेंद्र सिन्हा, सुधीर साहू, मधु कावड़े, सोमनाथ साहू, नरेश साहू, जितेंद्र कुमार सहित अर्थशास्त्र विषय के विद्यार्थीगण उपस्थित थे।

Principal
Govt. Shaheed Gendsingh College Charama
Distt. Uttar Bastar Kanker (C.G.)

**आयोजन:** नगर और अंचल में हुआ कार्यक्रम

# अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर चारामा महाविद्यालय में हुआ व्याख्यानमाला, महिलाओं का किया सम्मान

**पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क**
patrika.com

**कांकेर/चारामा/कोयलीबेड़ा/पखांजूर/भानुप्रतापपुर.** शासकीय शहीद गेंदसिंह महाविद्यालय चारामा में अर्थशास्त्र विभाग एवं आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ के तत्वावधान में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर व्याख्यानमाला का आयोजन किया गया। इस दौरान जानकारी देते हुए बताया गया कि प्रति वर्ष 8 मार्च को विश्व में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस मनाया जाता है। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस-2022 की थीम जेंडर इक्वालिटी टुडे फॉर सस्टेनेबल टुमारो है। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस महिलाओं की राजनीतिक, आर्थिक और सामाजिक क्षेत्र में उपलब्धियों को दर्शाने, महिलाओं के प्रति सम्मान को प्रकट करने और महिलाओं के विरुद्ध भेदभाव को समाप्त करने के लिए मनाया जाता है।

[illegible] के मुख्य वक्ता शासकीय गुण्डाधूर स्नातकोत्तर महाविद्यालय, कोंडागांव के प्राचार्य



**चारामा :** *कार्यक्रम में उपस्थित अतिथिगण एवं अन्य।*

## कोटरीनदी तट बेचाघाट पर मनाया गया महिला दिवस

**पखांजूर.** अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर सर्व आदिवासी समाज के लोगों ने बेचाघाट में भव्य आयोजन कर महिला दिवस मनाया। इस दौरान



## जुनागावडेगांव में मनाया महिला दिवस

**कोयलीबेड़ा.** अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर महिलाओं के संघर्ष को सलाम करते हुए सम्मान में विश्व में तरह तरह के कार्यक्रम आयोजित किया गए। ऐसा ही एक कार्यक्रम कोयलीबेड़ा क्षेत्र के जुनागावड़ेगांव में आयोजित किया गया। जिसमें बड़ी संख्या में ग्रामीणों व 18 पंचायत के जनप्रतिनिधियों ने हिस्सा लिए। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस मनाने की सम्पूर्ण जानकारी व सम्मान समारोह पश्चात कार्यक्रम के दौरान 4 सूत्रीय मांग पत्र भी तहसीलदार कोयलीबेड़ा कमलेश सिदार को सौंपा गया। मांगों में कोयलीबेड़ा में महाविद्यालय खोलने, महिला आईटीआई, सिलाई प्रशिक्षण और अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के दिन अवकाश रखने की मांग सरकार से की है। कार्यक्रम के दौरान सर्व समाज महिला प्रकोष्ठ कोयलीबेड़ा इकाई के पदाधिकारियों राजेश्वरी उइके, यामिनी, रितु, सुनोति, रश्मि, कलेश्वरी, रीना आदि उपस्थित थे।

## मांदरी नृत्य कर किया गया स्वागत

Principal
Govt. Shaheed Gendsingh College Charama
Distt. Uttar Bastar Kanker (C.G.)

नवभारत रायपुर, बुधवार 9 मार्च 2022



www.

# महिला दिवस पर जिलेभर में हुए विभिन्न कार्यक्रम, महिलाओं का हुआ सम्मान

नवभारत | कांकेर
www.navbharat.news

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में न्यू कम्यूनिटी हाल कांकेर में जिला प्रशासन एवं पुलिस द्वारा आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित महिलाओं को प्रशासन द्वारा सम्मानित किया गया. पुलिस महिला अधिकारी व कर्मचारियों का मोटर सायकल रैली को चंदन कुमार कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी व शलभ कुमार सिन्हा पुलिस अधीक्षक कांकेर द्वारा हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया. उक्त अवसर पर जी.एन. बघेल अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (जिला महिला नोडल अधिकारी) कांकेर, अनुविभागीय अधिकारी पुलिस चित्रा वर्मा, रक्षित निरीक्षक मोहसिन खान, गोविन्द वर्मा, उप निरीक्षक दयालु राम साहू व टीम उपस्थित थे. महिला सुरक्षा टीम प्रधान आरक्षक कौषिल्या जायसवाल, महिला आरक्षक किरण परिहार, बालेष्वरी नेताम, दिव्या वट्टी, पुष्पा कावड़े, संगीता ठाकुर, करूणा नायक, उमा गोटी द्वारा बाईक रैली सम्पूर्ण शहर में सायरन बजाते हुये महिलाओं की उत्साहवर्ध न करते हुये भ्रमण किया गया.

**थाने में पुलिस ने किया महिलाओं को सम्मानित**

कांकेर. पुलिस अधीक्षक शलभ कुमार सिन्हा के निर्देशन में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर महिलाओं का सम्मान थाना कांकेर में किया गया. पुलिस थाना कांकेर में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर महिलाओं का सम्मान किया गया. जिसमें अनुविभागीय अधिकारी पुलिस, अनुविभागीय दंडाधिकारी पुलिस थाना के पदस्थ अधिकारी कर्मचारी उपस्थित थे. दिव्यांग महिला अनीता यादव तथा पुलिस थाना में पदस्थ महिला कर्मचारियों, नगर पालिका के सफाई कार्य में लगी हुई महिलाएं का भी सम्मान किया गया.

**अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर व्याख्यानमाला का आयोजन**

चारामा. शासकीय शहीद गेंदसिंह महाविद्यालय चारामा में अर्थशास्त्र विभाग एवं आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ के तत्वाधान में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर व्याख्यानमाला का आयोजन किया गया. अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस-2022 का थीम जेंडर इक्विलिटी टुडे फॉर ए सस्टेनेबल टुमारो है. अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस महिलाओं की राजनैतिक, आर्थिक और सामाजिक क्षेत्र में उपलब्धियों को दर्शाने, महिलाओं के प्रति सम्मान को प्रकट करने और महिलाओं के विरूद्ध भेदभाव को समाप्त करने हेतु मनाया जाता है. व्याख्यानमाला के मुख्य वक्ता शासकीय गुण्डाधूर स्नातकोत्तर महाविद्यालय, कोंडागांव के प्राचार्य डॉ. सी. आर. पटेल थे. डॉ. पटेल ने ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य में विश्व में महिलाओं की भूमिका को रेखांकित किया. उन्होने बताया कि महिलाओं ने प्राचीन सभ्यताओं के प्रारंभ में पुरूष के साथ मिलकर काम किया है. डॉ. पटेल का मानना है कि आधुनिक लोकतांत्रिक युग का आदर्श ही नारी एवं पुरूष की समानता एवं प्रतिष्ठा पर आधारित कुटुम्ब, समाज एवं राष्ट्र की जीवनधारा का नव निर्माण करना है. महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. के. के. मरकाम ने अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के इतिहास, महिलाओं की समस्याओं और विश्व के प्रमुख प्रसिद्ध महिलाओं के योगदान के बारे में विस्तार से बताया. आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ के संयोजक और अथर्शास्त्र विषय के सहायक प्राध्यापक रवीन्द्र सिंह चंद्रवंशी ने आर्थिक क्षेत्र में महिलाओं की भूमिका के बारे में बताया। चंद्रवंशी ने बताया कि प्राथमिक क्षेत्र में महिलाओं की भागीदारी अधिक है किंतु द्वितीयक एवं तृतीयक क्षेत्र में कम है. महाविद्यालय की छात्राओं ने ब्रेक द बायस-सेल्फी कार्ड के साथ और हाँथों को क्रॉस करके लिंग के आधार पर होने वाले भेदभाव के विरूद्ध आवाज को बुलंद किया. इस अवसर पर महाविद्यालय के प्रोफेसर एम एल नेताम, प्रोफेसर डोमेश केमरो, प्रोफेसर प्रियंका दौलतानी, प्रोफेसर कुलेश्वर प्रसाद, प्रोफेसर हेमप्रसाद पटेल, अजय कोर्राम, रीता नेताम, सीमा यादव, लक्ष्मीछाया भोजवानी, धर्मेंद्र सिन्हा, सुधीर साहू, देवलाल कावडे, सोमनाथ साहू, नरेश साहू, नंदनी साहू सहित विद्यार्थी उपस्थित थे.

**परतापुर थाने में महिलाओं का साड़ी भेंट कर सम्मान**

कांकेर. पुलिस अधीक्षक शलभ कुमार सिन्हा के आदेशानुसार एवं धीरेंद्र पटेल अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पखांजूर व रवि कुमार कुजुर अनु विभागीय अधिकारी पुलिस पखांजूर के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी परतापुर राजेश कुमार राठौर के नेतृत्व में थाना परतापुर में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस मनाया गया. इस अवसर पर ग्राम परतापुर, भीगीडार, सालिया पारा, पटेल पारा, सड़क टोला, गुमड़ी, बुधन दंड, अति नक्सल प्रभावित क्षेत्र के लगभग 50 से 60 ग्रामीण महिलाएं एवं बालिकाएं उपस्थित हुए. पुलिस द्वारा अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर महिलाओं को साड़ी एवं श्रीफल देकर सम्मान किया गया. कार्यक्रम में उपस्थित महिलाओं को अभिव्यक्ति ऐप की उपयोगिता के बारे में बताया गया एवं बच्चों के कानूनी अधिकारों बाल अपराधों महिलाओं को प्राप्त कानूनी प्रावधानों एवं साइबर क्राइम की उचित जानकारी दी गई साथ ही सशक्त बनने हेतु अपने ऊपर होने वाले अत्याचारों के विरुद्ध उचित समय पर पुलिस से संपर्क कर सहयोग लेने हेतु प्रेरित किया गया एवं अपने बच्चों के अच्छे देखभाल करने हेतु प्रोत्साहित किया गया. इस आयोजन से इस क्षेत्र के महिलाएं एवं बालिकाओं में काफी उत्साह देखने को मिला एवं उनके द्वारा पुलिस का समुचित सहयोग करने एवं अन्य घरेलू समस्याओं में पुलिस से सहयोग की अपेक्षा की गई परतापुर क्षेत्रवासियों के द्वारा थाना परतापुर पुलिस की सराहना की गई.

Principal
Govt. Shaheed Gendsingh College Charama
Dist. Uttar Bastar Kanker (C.G.)

नईदुनिया
रायपुर, बुधवार 9 मार्च, 2022

आयोजन

## अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर व्याख्यानमाला

# विश्व में महिलाओं की भूमिका को किया गया रेखांकित

**चारामा (वि.)।** शासकीय शहीद गेंदसिंह महाविद्यालय, चारामा में अर्थशास्त्र विभाग एवं आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ के तत्वाधान में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर व्याख्यानमाला का आयोजन किया गया।

व्याख्यानमाला के मुख्य वक्ता शासकीय गुण्डाधूर स्नातकोत्तर महाविद्यालय, कोंडागांव के प्राचार्य डा. सीआर पटेल थे। डा. पटेल ने ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य में विश्व में महिलाओं की भूमिका को रेखांकित किया। उन्होंने बताया कि महिलाओं ने प्राचीन सभ्यताओं के प्रारंभ में पुरूष के साथ मिलकर काम किया है। डा. पटेल का मानना है कि आधुनिक लोकतांत्रिक युग का आदर्श ही नारी एवं पुरूष की समानता एवं प्रतिष्ठा पर आधारित कुटुम्ब, समाज एवं राष्ट्र की जीवनधारा का नव निर्माण करना है। महाविद्यालय के प्राचार्य डा. केके मरकाम ने अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के इतिहास, महिलाओं की समस्याओं और विश्व के प्रमुख प्रसिद्ध महिलाओं के योगदान के बारे में विस्तार से बताया। आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ के संयोजक और अर्थशास्त्र विषय के सहायक प्राध्यापक रवीन्द्र सिंह चंद्रवंशी ने आर्थिक क्षेत्र में महिलाओं की भूमिका के बारे में बताया।

व्याख्यानमाला के दौरान विद्यार्थियों से चर्चा करते हुए उपस्थित अतिथि व महाविद्यालय के शिक्षक। ● नईदुनिया

चंद्रवंशी ने बताया कि प्राथमिक क्षेत्र में महिलाओं की भागीदारी अधिक है किंतु द्वितीयक एवं तृतीयक क्षेत्र में कम है। देश के तीव्र विकास के लिए द्वितीयक एवं तृतीयक क्षेत्रों में महिलाओं की भागीदारी को बढ़ाना आवश्यक है। प्रियंका दौलतानी, सहायक प्राध्यापक (वाणिज्य) ने महिलाओं के प्रति भेदभाव समाप्त करने लोगों की सोंच में परिवर्तन लाने का आह्वान किया। दौलतानी के अनुसार, बिना सोंच में परिवर्तन लाए हम स्त्री-पुरूष के बीच समानता की कल्पना नहीं कर सकते।

छात्राओं को खुद पर आत्मविश्वास रखकर आत्मनिर्भर बनने की सलाह दी। व्याख्यानमाला के महाविद्यालय की छात्राओं ने ब्रेक द बायस. सेल्फी कार्ड के साथ और हाथों को क्रास करके लिंग के आधार पर होने वाले भेदभाव के विरूद्ध आवाज बुलंद किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्रो. एमएल नेताम, प्रोफेसर डोमेश केमरो, प्रोफेसर प्रियंका दौलतानी, प्रोफेसर कुलेश्वर प्रसाद, प्रोफेसर हेमप्रसाद पटेल, अजय क्लोरांग, रीता नेताम, सीमा यादव, लक्ष्मीछाया भोजवानी, धर्मेंद्र सिन्हा, सुधीर साहू, देवलाल कावड़े, सोमनाथ साहू, नरेश साहू, नंदनी साहू सहित विद्यार्थीगण उपस्थित थे।

Principal
Govt. Shaheed Gendsingh College Charar
Distt. Uttar Bastar Kanker (C.G.)

# शहीद गैंदसिंह के शहादत दिवस पर किया वेबिनार का आयोजन

चारामा. शासकीय शहीद गेंदसिंह महाविद्यालय चारामा में आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ द्वारा शहीद गेंद सिंह के शहादत दिवस पर 20 जनवरी को गूगल मीट के माध्यम से वेबिनार का आयोजन किया गया। इस वेबिनार के मुख्य वक्ता शासकीय इंदरू केंवट कन्या महाविद्यालय, कांकेर के प्राचार्य डॉ चेतन राम पटेल थे।

वेबिनार आयोजन का उद्देश्य महाविद्यालय के विद्यार्थियों को छत्तीसगढ़ के अमर शहीद गेंद सिंह का स्वतंत्रता आंदोलन में योगदान को बताना था। इस दौरान बताया गया कि शहीद गेंद सिंह छत्तीसगढ़ के परलकोट क्षेत्र के जमींदर थे। परलकोट जमींदारी के अंतर्गत लगभग 165 गांव थे और परलकोट जमींदारी का मुख्यालय था। परलकोट महाराष्ट्र के चंद्रपुर जिले के पास का एक जनजातीय गांव है, यहां तीन नदियों का संगम होता है। उन्होने अंग्रेजी सरकार के विरूद्ध संघर्ष किया था और इस कारण से उनको अंग्रेजों द्वारा 20 जनवरी, 1825 को फांसी पर चढ़ा दिया गया। गेंद सिंह छत्तीसगढ़ के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम बलिदानी थे। वेबिनार के मुख्य वक्ता डॉ चेतन राम पटेल ने अपना व्याख्यान 1857 के पूर्व से प्रारंभ किया। उन्होने बताया कि 1857 के पूर्व किस प्रकार की जमींदारी व्यवस्था थी। पूरे भारत में अंग्रेजों के विरूद्ध लोगों ने विद्रोह किया हुआ था। ऐसे समय में छत्तीसगढ़ अंचल के कंगलू कुम्हार, वीर नारायण, हल्बा पातर और गेंद सिंह जैसे वीरों ने अंग्रेजों के विरूद्ध आदिवासियों का नेतृत्व किया और संघर्ष कर अपने क्षेत्र को अंग्रेजी शासन से मुक्त कराने का भरसक प्रयास किया। वेबिनार में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ केके मरकाम ने कहा कि अत्यंत ही गौरान्वित महसूस होता है, जब छत्तीसगढ़ के प्रथम शहीद भूमिया राजा गेंद सिंह का नाम महाविद्यालय से जुड़ा हुआ है। परलकोट विद्रोह के नाम से विख्यात जनजातियों का अंग्रेजों एवं मराठों के विरूद्ध पारंपरिक हथियारों से लड़ कर 1857 के पूर्व बस्तर को राष्ट्रीयता का पाठ पढ़ाया, जिससे आगे चल कर बस्तर में कई विद्रोह हुए और इसने स्वतंत्रता आंदोलन का मार्ग प्रशस्त किया। वेबिनार का संचालन आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ के संयोजक रवीन्द्र सिंह चंद्रवंशी ने किया। वेबिनार में महाविद्यालय के प्रोफेसर कुलेश्वर प्रसाद, प्रोफेसर डोमेश केमरो, प्रोफेसर हेमप्रसाद पटेल और विद्यार्थी सम्मिलित हुए।



# प्राध्यापकों ने बलिदानी गेंद सिंह के योगदान को बताया

चारामा (वि.)। शासकीय शहीद गैंदसिंह महाविद्यालय चारामा में आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ द्वारा शहीद गेंद सिंह के बलिदान दिवस पर 20 जनवरी को गूगल मीट के माध्यम से वेबिनार का आयोजन किया गया। इस वेबिनार के मुख्य वक्ता शासकीय इंदरू केंवट कन्या महाविद्यालय, कांकेर के प्राचार्य डा. चेतन राम पटेल थे। वेबिनार आयोजन का उद्देश्य महाविद्यालय के विद्यार्थियों को छत्तीसगढ़ के अमर शहीद गेंद सिंह का स्वतंत्रता आंदोलन में योगदान को बताना था।

**खास बातें**

- **बलिदानी गेंद सिंह के बलिदान दिवस पर कालेज में हुआ वबिनार**
- **कार्यक्रम में शामिल होकर प्राध्यापकों ने रखे विचार**

जिसमें बताया गया कि शहीद गेंद सिंह छत्तीसगढ़ के परलकोट क्षेत्र के जमींदर थे। परलकोट जमींदारी के अंतर्गत लगभग 165 गांव थे और परलकोट जमींदारी का मुख्यालय था। परलकोट महाराष्ट्र के चंद्रपुर जिले के पास का एक जनजातीय गांव है, यहां तीन नदियों का संगम होता है। उन्होंने अंग्रेजी सरकार के विरूद्ध संघर्ष किया था और इस कारण से उनको अंग्रेजों द्वारा 20 जनवरी 1825 को फांसी पर चढ़ा दिया गया। गेंद सिंह छत्तीसगढ़ के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम बलिदानी थे।

वेबिनार के मुख्य वक्ता डा. चेतन राम पटेल ने बताया कि 1857 के पूर्व किस प्रकार की जमींदारी व्यवस्था थी। पूरे भारत में अंग्रेजों के विरूद्ध लोगों ने विद्रोह किया हुआ था। ऐसे समय में छत्तीसगढ़ अंचल के कंगलू कुम्हार, वीर नारायण, हल्बा पातर और गेंद सिंह जैसे वीरों ने अंग्रेजों के विरूद्ध आदिवासियों का नेतृत्व किया और संघर्ष कर अपने क्षेत्र को अंग्रेजी शासन से मुक्त कराने का भरसक प्रयास किया।वेबिनार में महाविद्यालय के प्राचार्य डा. केके मरकाम ने कहा कि अत्यंत ही गौरवान्वित महसूस होता है जब छत्तीसगढ़ के प्रथम शहीद भूमिया राजा गेंद सिंह का नाम महाविद्यालय से जुड़ा हुआ है।

परलकोट विद्रोह के नाम से विख्यात जनजातियों का अंग्रेजों एवं मराठों के विरूद्ध पारंपरिक हथियारों से लड़ कर 1857 के पूर्व बस्तर को राष्ट्रीयता का पाठ पढ़ाया, जिससे आगे चल कर बस्तर में कई विद्रोह हुए और इसने स्वतंत्रता आंदोलन का मार्ग प्रशस्त किया। वेबिनार का संचालन आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ के संयोजक रवीन्द्र सिंह चंद्रवंशी ने किया। वेबिनार में महाविद्यालय के प्रोफेसर कुलेश्वर प्रसाद, प्रोफेसर डोमेश केमरो, प्रोफेसर हेमप्रसाद पटेल और विद्यार्थीगण सम्मिलित हुए।

● नईदुनिया

Principal
Govt. Shaheed Gendsingh College Charama
Distt. Uttar Bastar Kanker (C.G.)

# शहीद गैंदसिंह के शहादत दिवस पर किया वेबिनार का आयोजन

**चारामा.** शासकीय शहीद गेंदसिंह महाविद्यालय चारामा में आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ द्वारा शहीद गेंद सिंह के शहादत दिवस पर 20 जनवरी को गूगल मीट के माध्यम से वेबिनार का आयोजन किया गया। इस वेबिनार के मुख्य वक्ता शासकीय इंदरू केंवट कन्या महाविद्यालय, कांकेर के प्राचार्य डॉ चेतन राम पटेल थे।

वेबिनार आयोजन का उद्देश्य महाविद्यालय के विद्यार्थियों को छत्तीसगढ़ के अमर शहीद गेंद सिंह का स्वतंत्रता आंदोलन में योगदान को बताना था। इस दौरान बताया गया कि शहीद गेंद सिंह छत्तीसगढ़ के परलकोट क्षेत्र के जमींदर थे। परलकोट जमींदारी के अंतर्गत लगभग 165 गांव थे और परलकोट जमींदारी का मुख्यालय था। परलकोट महाराष्ट्र के चंद्रपुर जिले के पास का एक जनजातीय गांव है, यहां तीन नदियों का संगम होता है। उन्होंने अंग्रेजी सरकार के विरूद्ध संघर्ष किया था और इस कारण से उनको अंग्रेजों द्वारा 20 जनवरी, 1825 को फांसी पर चढ़ा दिया गया। गेंद सिंह छत्तीसगढ़ के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम बलिदानी थे। वेबिनार के मुख्य वक्ता डॉ चेतन राम पटेल ने अपना व्याख्यान 1857 के पूर्व से प्रारंभ किया। उन्होंने बताया कि 1857 के पूर्व किस प्रकार की जमींदारी व्यवस्था थी। पूरे भारत में अंग्रेजों के विरूद्ध लोगों ने विद्रोह छत्तीसगढ़ अंचल के कंगलू कुम्हार, वीर नारायण, हल्बा पातर और गेंद सिंह जैसे वीरों ने अंग्रेजों के विरूद्ध आदिवासियों का नेतृत्व किया और संघर्ष कर अपने क्षेत्र को अंग्रेजी शासन से मुक्त कराने का भरसक प्रयास किया। वेबिनार में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ केके मरकाम ने कहा कि अत्यंत ही गौरान्वित महसूस होता है, जब छत्तीसगढ के प्रथम शहीद भूमिया राजा गेंद सिंह का नाम महाविद्यालय से जुड़ा हुआ है। परलकोट विद्रोह के नाम से विख्यात जनजातियों का अंग्रेजों एवं मराठों के विरूद्ध पारंपरिक हथियारों से लड़ कर 1857 के पूर्व बस्तर को राष्ट्रीयता का पाठ पढ़ाया, जिससे आगे चल कर बस्तर में कई विद्रोह हुए और इसने स्वतंत्रता आंदोलन का मार्ग प्रशस्त किया। वेबिनार का संचालन आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ के संयोजक रवीन्द्र सिंह चंद्रवंशी ने किया। वेबिनार में महाविद्यालय के प्रोफेसर कुलेश्वर प्रसाद, प्रोफेसर डोमेश केमरो, प्रोफेसर हेमप्रसाद

21 Jan 2022
आज की जनधारा

Principal
Govt. Shaheed Gendsingh College Charama
Distt. Uttar Bastar Kanker (C.G.)

12 नईदुनिया
रायपुर, शनिवार 11 दिसंबर, 2021

# मानवाधिकार पर हुई संगोष्ठी

**चारामा(नईदुनिया न्यूज)।** शासकीय शहीद गेंदसिंह महाविद्यालय चारामा में राजनीति शास्त्र विभाग और आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ के तत्वावधान में अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार दिवस के अवसर पर इक्वालिटी रिड्यूसिंग इनक्वालिटी, एडवांसिंग ह्यूमन राइटस थीम पर 10 दिसंबर को संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा 10 दिसंबर 1948 को मानव अधिकार की सार्वभौमिक घोषणा को अंगीकार किया गया था। इस घोषणा के पश्चात समस्त राष्ट्रों को अपने संविधान में मानवाधिकारों से संबंधित प्रावधानों को समाहित करने का मार्गदर्शन मिला। मानवाधिकार वे अधिकार हैं जो उसको पृथ्वी में जन्म लेते ही प्राप्त हो जाता है, जैसे जीवन का अधिकार, स्वतंत्रता का का अधिकार, समानता का अधिकार, सम्मान पूर्वक जीवन का अधिकार, शिक्षा का अधिकार, स्वास्थ्य का अधिकार आदि। समय-समय पर हमें भारत के विभिन्न भागों में, विदेशों में मानवाधिकारों के हनन संबंधित समाचार सुनने मिलते हैं।

राजनीति विज्ञान विभाग के प्रोफेसर एमएल नेताम ने अपने उद्बोधन में कहा कि मानवाधिकार जन्मजात होते हैं और उसको इस अधिकार से वंचित नहीं किया जा सकता है। प्रोफेसर अनूप यादव ने संयुक्त राष्ट्र संघ के मानवाधिकारों की सार्वभौमिक घोषणा के बारे में बिंदुवार जानकारी दी। अर्थशास्त्र विभाग के प्रोफेसर और आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ के संयोजक रवींद्र सिंह चंद्रवंशी ने संगोष्ठी में अपने विचार रखते हुए कहा कि हम सभी को दूसरे के मानवाधिकारों का सम्मान करना चाहिए।

संगोष्ठी के अंत में महाविद्यालय के प्राचार्य डा. केके मरकाम ने कहा कि भारत में मानवाधिकार के मामलों में महिला-पुरूष के आधार पर भेदभाव होता है, जबकि भारत के संविधान में सभी को समानता का अधिकार प्राप्त है। इस संगोष्ठी में अजय कुमार कोर्राम, रीता नेताम, लक्ष्मीछाया भोजवानी, हितेंद्र बोरकर, धमेंद्र सिन्हा, सुधीर साहू, जितेंद्र ठाकुर, सोमनाथ साहू, नंदनी साहू, नरेश साहू और विद्यार्थीगण उपस्थित थे।

दैनिक भास्कर

## मानवाधिकार जन्मजात होते हैं, इससे वंचित नहीं कर सकते : प्रो. अनूप

चारामा शासकीय शहीद गैंदसिंह महाविद्यालय चारामा में राजनीति शास्त्र विभाग और आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ द्वारा अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार दिवस पर इक्वालिटी-रिड्यूसिंग इनइक्वालिटी, एडवांसिंग ह्यूमन राइट्स थीम पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। राजनीति विज्ञान विभाग के प्रोफेसर एमएल नेताम ने कहा कि मानवाधिकार जन्मजात होते हैं और उसको इस अधिकार से वंचित नहीं किया जा सकता है। प्रो. अनूप ने संयुक्त राष्ट्र संघ के मानवाधिकारों की सार्वभौमिक घोषणा के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि भारत के संविधान के मौलिक अधिकारों और नीति निर्देशक तत्वों में मानवाधिकार समाहित है। अर्थशास्त्र विभाग के प्रोफेसर और आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ के संयोजक रवींद्र सिंह चंद्रवंशी ने कहा कि सभी को दूसरों के मानवाधिकारों का सम्मान करना चाहिए और जब हम दूसरे के मानवाधिकारों का सम्मान करेंगे तो स्वतः इसका हनन नहीं होगा।

KAM
Principal
Govt. Shaheed Gendsingh College Charama
Distt. Uttar Bastar Kanker (C.G)

# अंतर्राष्ट्रीय मानवाधिकार दिवस पर संगोष्ठी का आयोजन

**जनधारा समाचार**

**चारामा।** शासकीय शहीद गेंदसिंह महाविद्यालय में राजनीति शास्त्र विभाग और आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ के तत्वावधान में अंतर्राष्ट्रीय मानवाधिकार दिवस के अवसर पर इक्वालिटी-रिड्यूसिंग इनक्वॉलिटी, एडवांसिंग ह्यूमन राईटस'' थीम पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा 10 दिसम्बर 1948 को मानव अधिकार की सार्वभौमिक घोषणा को अंगीकार किया गया था। इस घोषणा के पश्चात् समस्त राष्ट्रों को अपने संविधान में मानवाधिकारों से संबंधित प्रावधानों को समाहित करने का मार्गदर्शन मिला। मानवाधिकार, वे अधिकार हैं जो उसको पृथ्वी में जन्म लेते ही प्राप्त हो जाता है, जैसे जीवन का अधिकार, स्वतंत्रता का का अधिकार, समानता का अधिकार, सम्मानपूर्वक जीवन का अधिकार, शिक्षा का अधिकार, स्वास्थ्य का अधिकार आदि।

राजनीति विज्ञान विभाग के प्रोफेसर एम एल नेताम ने कहा कि मानवाधिकार जन्मजात होते हैं और उसको इस अधिकार से वंचित नहीं किया जा सकता है। प्रोफेसर अनूप यादव ने संयुक्त राष्ट्र संघ मानवाधिकारों की सार्वभौमिक घोषणा बारे में बिन्दुवार जानकारी दी। अर्थशास्त्र विभाग के प्रोफेसर और आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ के संयोजक रवीन्द्र सिंह चंद्रवंशी ने कहा कि हम सभी को दूसरे के मानवाधिकारों का सम्मान करना चाहिए। अंत में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. के. के. मरकाम ने कहा कि भारत में मानवाधिकार के मामलों में महिला-पुरूष के आधार पर भेदभाव होता है जबकि भारत के संविधान में सभी को समानता का अधिकार प्राप्त है। संगोष्ठी में अजय कुमार कोर्राम, रीता नेताम, लक्ष्मीछाय भोजवानी, हितेंद्र बोरकर, धर्मेंद्र सिन्हा, सुधीर साहू जितेंद्र ठाकुर, सोमनाथ साहू, नंदनी साहू, नरेश साहू और विद्यार्थी उपस्थित थे।

Principal
Govt. Shaheed Gendsingh College Charama
Distt. Uttar Bastar Kanker (C.G.)

13/12/2021

# विश्व एड्स दिवस पर जागरूकता कार्यक्रम

चारामा(नईदुनिया न्यूज)। शासकीय शहीद गेंदसिंह महाविद्यालय में विश्व एड्स दिवस के अवसर पर एंड दी इनइक्वालिटीज एंड एड्स थीम पर जन जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। एड्स एक असाध्य रोग है और इससे बचने का एकमात्र उपाय बचाव व जन-जागरूकता है।

विश्व एड्स दिवस मनाने की शुरूआत एक दिसंबर 1988 से हुई है। इस दिवस को मनाने का उद्देश्य एचआईवी एड्स पर नियंत्रण के लिए जन-जागरूकता फैलाना और एड्स के संबंध में भ्रांतियां हैं, उसको दूर करना है। कार्यक्रम में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र चारामा के वरिष्ठ चिकित्साधिकारी डा. स्वाती देवांगन द्वारा एड्स संक्रमण के कारण, लक्षण, बचाव के उपाय आदि के संबंध में जानकारी दी गई।

डा. देवांगन ने बताया कि एड्स के कारण मनुष्य की प्रतिरोधक क्षमता कम हो जाती है और इसके कारण एड्स प्रसित व्यक्ति अन्य बीमारियों की चपेट में आ जाता है। एड्स के लक्षण अगर किसी व्यक्ति में दिखाई दे तो उसको तुरंत एचआईवी टेस्ट करवाना चाहिए, जिससे कि इससे बचाव किया जा सके।

डा. स्वाती देवांगन द्वारा एचआईवी एड्स के संबंध में विद्यार्थियों द्वारा किए गए प्रश्नों के उत्तर भी दिया गया।

कार्यक्रम को संबोधित करती हुई स्वाति देवांगन। ● नईदुनिया

**खास बातें**

- एड्स दिवस मनाने की शुरूआत के बारे में दी गई जानकारी
- एड्स से होने वाले नुकसान व पीड़ितों को शीघ्र उपचार के बारे में बताया

वहीं, और भी अन्य विशेषज्ञों ने भी अपने विचार इस कार्यक्रम में रखे। इस कार्यक्रम में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, चारामा के सुपरवाईजर जीपी जैन, टीबी सुपरवाईजर दिलीप खोब्रागड़े, आईसीटीसी काउंसलर गीतांजली देवांगन, आरएचओ जितेश ध्रुव, एलएचवी वंदना सिंह, महाविद्यालय के प्राचार्य एमएल नेताम, प्रो. हेमप्रसाद पटेल, प्रोफेसर कमलनारायण ठाकुर, प्रोफेसर रवीन्द्र सिंह चंद्रवंशी, प्रोफेसर कुलेश्वर प्रसाद, प्रोफेसर अनूप हितेंद्र बोरकर, धर्मेंद्र सिन्हा, नरेश साहू, सोमनाथ साहू, मधु कावड़े एवं विद्यार्थीगण उपस्थित थे।

Principal
Govt. Shaheed Gendsingh College Charama
Distt. Uttar Bastar Kanker (C.G.)

नईदुनिया 17
रायपुर, रविवार 31 अक्टूबर, 2021

# 'सुंदर भविष्य के लिए बचत करना जरूरी'

शहीद गेंदसिंह महाविद्यालय में आयोजित कार्यक्रम में मौजूद प्रोफेसर। ● नईदुनिया

चारामा(नईदुनिया न्यूज)। शासकीय शहीद गेंदसिंह महाविद्यालय में अंडरस्टैंडिंग दी इम्पोर्टेंस आफ सेविंग्स थीम पर जीवन में बचत और मितव्ययता के महत्व को दर्शाने और बचत को प्रोत्साहित करने विश्व बचत दिवस पर जन-जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। भारतीय संस्कृति में मितव्ययिता और बचत का महत्व प्राचीनकाल से है और यह दिवस इस इस तथ्य को प्रासांगिक बनाता है। प्रति वर्ष पूरे विश्व में बचत को प्रोत्साहित करने हेतु 31 अक्टूबर, 1934 से विश्व बचत दिवस मनाया जाता है। हालांकि 31 अक्टूबर, 1984 को तात्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के आकस्मिक मृत्यु के कारण पूरे भारत में विश्व बचत दिवस 30 अक्टूबर को मनाया जाता है।

विश्व बचत दिवस पर आयोजित जन-जागरूकता कार्यक्रम के मुख्य वक्ता अर्थशास्त्र विभाग के प्रोफेसर रवीन्द्र सिंह चंद्रवंशी थे। प्रोफेसर चंद्रवंशी ने सबसे पहले बचत को परिभाषित करते हुए कहा कि बचत आय का वह भाग है जिसे व्यक्ति वर्तमान उपभोग पर व्यय न कर के भविष्य के उपयोग के लिए बचा कर रखता है। बचत के महत्व को बताते हुए बचत के प्रोत्साहन में सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों, निजी क्षेत्र के बैंकों और सहकारी क्षेत्र के बैंकों के योगदान को रेखांकित किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा गरीब और वंचित वर्गों को बैंकिंग क्षेत्र से जोड़ने और वित्तीय समावेशन के उद्देश्य से 28 अगस्त, 2014 को प्रधानमंत्री जन-धन योजना प्रारंभ की गई।

महाविद्यालय के प्राचार्य डा. केके मरकाम ने अपने उद्बोधन में कहा कि बचत हमारी जरूरत है और यह सुंदर भविष्य के लिए अतिआवश्यक है। इसकी शिक्षा हमें आसपास के पर्यावरण से मिलती है। महाविद्यालय के प्रोफेसर मनोहर लाल नेताम, प्रोफेसर हेमप्रसाद पटेल, प्रोफेसर कमलनारायण ठाकुर, प्रोफेसर अनूप यादव, धर्मेंद्र सिन्हा, सुधीर साहू, जितेंद्र ठाकुर, हितेंद्र बोरकर, नरेश साहू, सोमनाथ साहू, मधु कावड़े, लक्ष्मी छाया भोजवानी, सीमा यादव, नंदनी साहू, देवलाल कावड़े और विद्यार्थीगण उपस्थित थे।

14 पत्रिका
कांकेर, सोमवार, 1 नवम्बर 2021

# महाविद्यालय में विश्व बचत दिवस पर लोगों को किया गया जागरूक

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

चारामा. शासकीय शहीद गेंदसिंह महाविद्यालय चारामा के अर्थशास्त्र विभाग और आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ द्वारा 30 अक्टूबर को अंडरस्टेंडिंग दी इम्पोर्टेंस ऑफ सेविंग्स थीम पर जीवन में बचत और मितव्ययता के महत्व को दर्शाने और बचत को प्रोत्साहित करने विश्व बचत दिवस पर जन-जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान बताया गया कि भारतीय संस्कृति में मितव्ययता और बचत का महत्व प्राचीन काल से है। यह दिवस इस तथ्य को प्रासांगिक बनाता है। प्रति वर्ष विश्व में बचत को प्रोत्साहित करने के लिए 31 अक्टूबर 1934 से विश्व बचत दिवस मनाया जाता है।

31 अक्टूबर 1984 को तात्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के आकस्मिक मृत्यु के कारण भारत में विश्व बचत दिवस 30 अक्टूबर को मनाया जाता है। विश्व बचत दिवस पर आयोजित जन-जागरुकता कार्यक्रम के मुख्य वक्ता अर्थशास्त्र विभाग के प्रोफेसर रवीन्द्र सिंह चंद्रवंशी थे। प्रोफेसर चंद्रवंशी ने अपने उद्बोधन में सबसे पहले बचत को परिभाषित करते हुए कहा कि बचत आय का वह भाग है जिसे व्यक्ति वर्तमान उपभोग पर व्यय न कर भविष्य के उपयोग के लिए बचाकर रखता है। बचत के महत्व को बताते हुए बचत के प्रोत्साहन में सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों, निजी क्षेत्र के बैंकों और सहकारी क्षेत्र के बैंकों के योगदान को रेखांकित किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा गरीब और वंचित वर्गों को बैंकिंग क्षेत्र से जोड़ने और वित्तीय समावेशन के उद्देश्य से 28 अगस्त, 2014 को प्रधानमंत्री जन-धन योजना प्रारंभ की गई। इस योजना में 46.70 करोड़ लोगों के पास जन-धन खाता है और 146232.36 करोड़ बचत राशि जमा है। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. केके मरकाम ने अपने उद्बोधन में कहा कि बचत हमारी जरूरत है और यह सुंदर भविष्य के लिए अतिआवश्यक है। इसकी शिक्षा हमें आसपास के पर्यावरण से मिलती है। क्योंकि सभी जीव जंतु अपने भविष्य के लिए बचत करते हैं। उद्बोधन के क्रम में वाणिज्य विभाग के प्रोफेसर कमलनारायण ठाकुर ने बचत के लिए विद्यार्थियों को मितव्ययी होने कहा, क्योंकि मितव्ययता से ही बचत संभव है। कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्रोफेसर मनोहर लाल नेताम, प्रोफेसर हेमप्रसाद पटेल, प्रोफेसर कमल नारायण ठाकुर, प्रोफेसर अनूप यादव, धर्मेंद्र सिन्हा, सुधीर साहू, जितेंद्र ठाकुर, हितेंद्र बोरकर, नरेश साहू, सोमनाथ साहू, मधु कावड़े, लक्ष्मी छाया भोजवानी, सीमा यादव, नंदनी साहू, देवलाल कावड़े और विद्यार्थी उपस्थित थे।

Principal
Govt. Shaheed Gendsingh College C...
Distt. Uttar Bastar Kanker (C.

नईदुनिया
रायपुर, मंगलवार 26 अक्टूबर, 2021



संवोधन

**संघ की स्थापना अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शांति, सुरक्षा, मानवाधिकार की स्थापना के लिए की गई**

# गैंदसिंह महाविद्यालय में मनाया गया संयुक्त राष्ट्र संघ दिवस

**जारामा(नईदुनिया न्यूज)।** शासकीय शहीद गैंदसिंह महाविद्यालय के राजनीति शास्त्र विभाग और आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ द्वारा 25 अक्टूबर को संयुक्त राष्ट्र संघ दिवस मनाया गया। प्रति वर्ष 24 अक्टूबर को पूरे विश्व में संयुक्त राष्ट्र संघ दिवस मनाया जाता है। 24 अक्टूबर 1945 को द्वितीय विश्व युद्ध की समाप्ति के बाद संयुक्त राष्ट्र संघ की स्थापना हुई थी। संयुक्त राष्ट्र संघ की स्थापना अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शांति, सुरक्षा, मानवाधिकार की स्थापना के लिए की गई है।

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता राजनीति शास्त्र विभाग के प्रो. एमएल नेताम और प्रोफेसर अनूप यादव थे। प्रोफेसर नेताम ने संयुक्त राष्ट्र संघ की स्थापना, स्थायी सदस्यों एवं उनकी भूमिका के बारे में बताया। इसके पश्चात प्रो. अनूप यादव ने संयुक्त राष्ट्र संघों के विभिन्न अंगों, सदस्य देशो, संयुक्त राष्ट्र के कार्यों एवं वर्तमान संदर्भ में इसकी प्रासांगिकता के बारे में विस्तार से बताया। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य डा. केके मरकाम ने कहा कि भारत को संयुक्त राष्ट्र संघ में 1950 तक स्थायी सदस्यता मिल जाना चाहिए था, क्योंकि भारत संस्थापक सदस्य है, आंतकवाद विरोधी है, सबसे बड़ा लोकतंत्र है व डब्ल्यूएचओ में विशेष योगदान है।

आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ द्वारा 25 अक्टूबर को संयुक्त राष्ट्र संघ दिवस मनाया गया। ● नईदुनिया

डा. मरकाम के अनुसार भारत को स्थायी सदस्यता इसलिए नहीं मिल पाई है, क्योंकि भारत ने अभी तक परमाणु अप्रसार संधि एवं व्यापक परमाणु परीक्षण प्रतिबंध संधि पर हस्ताक्षर नहीं किया है, संघ के न्यास में एक प्रतिशत से भी कम का अंशदान है, कश्मीर समस्या अभी भी अनसुलझा है और चीन का भारत के प्रति विरोध है। कार्यक्रम का संचालन एवं आभार प्रदर्शन प्रोफेसर रवीन्द्र सिंह चंद्रवंशी ने किया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्रोफेसर कुलेश्वर प्रसाद, कमल नारायण ठाकुर, धर्मेंद्र सिन्हा, सुधीर साहू, जितेंद्र ठाकुर, हितेंद्र बोरकर, नरेश साहू, सोमनाथ साहू, मधु कावड़े और राजनीति विज्ञान विषय के विद्यार्थियों के अतिरिक्त अन्य विषयों के विद्यार्थी भी उपस्थित थे।

Principal
Govt. Shaheed Gendsingh College Jharama
Distt. Uttar Bastar Kanker (C.G.)

कार्यक्रम

# संयुक्त राष्ट्र संघ दिवस मनाया गया

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

**चारामा.** शासकीय शहीद गेंदसिंह महाविद्यालय चारामा के राजनीति शास्त्र विभाग और आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ द्वारा 25 अक्टूबर को संयुक्त राष्ट्र संघ दिवस मनाया गया। इस दौरान जानकारी देते हुए बताया कि प्रति वर्ष 24 अक्टूबर को पूरे विश्व में सयुंक्त राष्ट्र संघ दिवस मनाया जाता है।

24 अक्टूबर 1945 को द्वितीय विश्व युद्ध की समाप्ति के पश्चात् संयुक्त राष्ट्र संघ की स्थापना हुई थी। संयुक्त राष्ट्र संघ की स्थापना अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शांति, सुरक्षा, मानवाधिकार की स्थापना की गई है। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता राजनीति शास्त्र विभाग के प्रोफेसर एमएल नेताम और प्रोफेसर अनूप यादव थे। प्रोफेसर नेताम ने संयुक्त राष्ट्र संघ की स्थापना, स्थायी सदस्यों एवं उनकी भूमिका के बारे में बताया। इसके पश्चात् प्रोफेसर अनूप यादव ने संयुक्त राष्ट्र संघों के विभिन्न अंगों, सदस्य देशों, संयुक्त राष्ट्र के कार्यों एवं वर्तमान संदर्भ में इसकी प्रासांगिकता के बारे में विस्तार से बताया। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. केके मरकाम ने कहा कि भारत को संयुक्त राष्ट्र संघ में 1950 तक स्थायी सदस्यता मिल जाना चाहिए था। क्योंकि भारत संस्थापक सदस्य हैं। आंतकवाद विरोधी है, सबसे बड़ा लोकतंत्र है एवं डब्ल्यूएचओ में विशेष योगदान है। डा. मरकाम के अनुसार भारत को स्थायी सदस्यता इसलिए नहीं मिल पाई है क्योंकि भारत ने अभी तक परमाणु अप्रसार संधि एवं व्यापाक परमाणु परीक्षण प्रतिबंध संधि पर हस्ताक्षर नहीं किया है। संघ के न्यास में एक प्रतिशत से भी कम का अंशदान है। कश्मीर समस्या अब भी अनसुलझी है और चीन का भारत के प्रति विरोध है। कार्यक्रम का संचालन एवं आभार प्रदर्शन प्रोफेसर रवीन्द्र सिंह चंद्रवंशी ने किया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्रोफेसर कुलेश्वर प्रसाद, धर्मेंद्र सिन्हा, सुधीर साहू, जितेंद्र ठाकुर, हितेंद्र बोरकर, नरेश साहू, सोमनाथ साहू, मधु कावड़े और राजनीति विज्ञान विषय के विद्यार्थियों के अतिरिक्त अन्य विषयों के विद्यार्थी थे।

Principal
Govt. Shaheed Gendsingh College Charam.
Distt. Uttar Bastar Kanker (C.G.)

नईदुनिया
रायपुर, गुरुवार 23 सितंबर, 2021

# अंतरराष्ट्रीय शांति दिवस पर वेबिनार

चारामा (नईदुनिया न्यूज)। अंतरराष्ट्रीय शांति दिवस के अवसर पर शासकीय शहीद गेंदसिंह महाविद्यालय के अर्थशास्त्र विभाग द्वारा. इम्पैक्ट आफ द कनफ्लिक्ट आन वर्ल्ड इकानोमी विषय पर वेबिनार का आयोजन किया गया। संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा 1981 में सर्वप्रथम अतरराष्ट्रीय शांति दिवस मनाया गया। 2001 से अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर आपसी संघर्ष को समाप्त कर, आपसी प्रेम, सौहाद्र एवं भाईचारे को प्रोत्साहित करने के लिए 21 सितंबर को अंतरराष्ट्रीय शांति दिवस मनाया जाता है।

अर्थशास्त्र विभाग के प्रो. रवीन्द्र सिंह चंद्रवंशी जो इस वेबिनार के माडरेटर थे। उन्होंने सर्वप्रथम शांति की परिभाषा, शांति के प्रकार, आदिम युग से आधुनिक युग तक आपसी संघर्षों में हुए परिवर्तन, 1960 से भारत सरकार के रक्षा बजट की प्रवृत्तियों और वर्तमान समय में आर्थिक विकास व संपोषित विकास के लिए शांति की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। वेबिनार के मुख्य वक्ता डा. सुरेंदर कुमार कुलश्रेष्ठ, वधर्मान महावीर ओपन विश्वविद्यालय, कोटा, राजस्थान थे। अपने व्याख्यान में डा. कुलश्रेष्ठ ने शांति और अहिंसा स्थापना के क्षेत्र में भगवान महावीर, गौतम बुद्ध और महात्मा गांधी द्वारा किये गये प्रयासों की व्याख्या की।

उन्होंने पुनर्जागरण काल के पूर्व और बाद में अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर मानव जीवन के क्षेत्र में हुए परिवर्तनों का शांति और अहिंसा में क्या महत्व रहा उसके बारे में और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर उत्पन्न संघर्षो के कारण किस प्रकार से अर्थव्यवस्था को नुकसान हुआ है, उसकी विस्तृत व्याख्या की। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य डा. केके मरकाम ने अपने उद्बोधन में कहा कि भारत आरंभ से ही शांति का अग्रदूत रहा है। रामायण काल हो या महाभारत का शांतिपर्व,. अशोक का कलिंग युद्ध, चंद्रगुप्त, भगवान बुद्ध, महावीर स्वामी, गुरूनानक, गांधी एवं जवाहरलाल नेहरू का पंचशील सिद्धांत हो या टैगोर का शांति निकेतन, ये सभी शांति के पुजारी रहे हैं। अंतर्राष्ट्रीय आंतकवाद, नशीले पदार्थों का व्यापार, लघु शस्त्रों का प्रसार, जैविक एवं रासायनिक हथियारों पर प्रतिबंध शांति स्थापना की दिशा में एक ठोस कदम होगा।

डा. मरकाम ने नोबेल पुरस्कार विजेता मदर टेरेसा के कथन को उद्धृत करते हुए कहा कि, शांति की शुरूआत मुस्कान से होती है। इस वेबिनार में विभिन्न महाविद्यालयों के विद्यार्थियों के अतिरिक्त शासकीय शहीद गेंदसिंह महाविद्यालय चारामा के सुधीर कुमार साहू, धर्मेंद्र सिन्हा, अनूप कुमार यादव, शासकीय नवीन महाविद्यालय पाली के प्रो. टीकाराम कश्यप, शासकीय महाविद्यालय अंतागढ़ के प्रो. दीपक देवांगन, शासकीय महाविद्यालय निवास, जिला.मंडला मध्यप्रदेश के प्रो. [illegible] सम्मिलित हुए।

Principal
Govt. Shaheed Gendsingh College Charama
Distt. Uttar Bastar Kanker (C.G.)

हरिभूमि

रायपुर - कांकेर भूमि

23 Sep 2021

## इम्पैक्ट ऑफ द कनफ्लिक्ट ऑन वर्ल्ड इकॉनामी विषय पर वेबिनार

# अंतर्राष्ट्रीय शांति दिवस के अवसर पर महाविद्यालय में हुआ बेबिनार

हरिभूमि न्यूज ▸▸ चारामा



शासकीय गेंदसिंह महाविधालय चारामा में 21 सितम्बर को अंतर्राष्ट्रीय शांति दिवस के अवसर पर अर्थशास्त्र विभाग द्वारा-इम्पैक्ट ऑफ द कनफ्लिक्ट ऑन वर्ल्ड इकॉनोमी विषय पर वेबिनार का आयोजन किया गया।

आयोजित बेबीनार के मुख्य वक्ता वर्धमान महावीर ओपन विश्वविद्यालय कोटा,राजस्थान के डॉ. सुरेंदर कुमार कुलश्रेष्ठ ने शांति और अहिंसा स्थापना के क्षेत्र में भगवान महावीर, गौतम बुद्ध और महात्मा गाँधी द्वारा किये गये प्रयासों की व्याख्या की। उन्होंने पुनर्जागरण काल के पूर्व और बाद में अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर मानव जीवन के क्षेत्र में हुए परिवर्तनों का शांति और अहिंसा में क्या महत्व रहा उसके बारे में और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर उत्पन्न संघर्षों के कारण किस प्रकार से अर्थव्यवस्था को नुकसान हुआ है, उसकी विस्तृत व्याख्या की। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. केके मरकाम ने अपने उद्बोधन में कहा कि भारत आरंभ से ही शांति का अग्रदूत रहा है। रामायण काल हो या महाभारत का शांतिपर्व, अशोक का कलिंग युद्ध, चंद्रगुप्त, भगवान बुद्ध, महावीर स्वामी, गुरूनानक, गाँधी एवं जवाहरलाल नेहरू का पंचशील सिद्धांत हो या टैगोर का शांति निकेतन, ये सभी शांति के पुजारी रहे हैं। अंतर्राष्ट्रीय आंतकवाद, नशीले पदार्थों का व्यापार, लघु शस्त्रों का प्रसार, जैविक एवं रासायनिक हथियारों पर प्रतिबंध शांति स्थापना की दिशा में एक ठोस कदम होगा। डॉ. मरकाम ने नोबेल पुरस्कार विजेता मदर टेरेसा के कथन को उद्धृत करते हुए कहा कि, शांति की शुरूआत मुस्कान से होती है। अर्थशास्त्र विभाग के प्रोफेसर रवीन्द्र सिंह चंद्रवंशी जो इस वेबिनार के मॉडरेटर थे, उन्होंने सर्वप्रथम शांति की परिभाषा, शांति के प्रकार, आदिम युग से आधुनिक युग तक आपसी संघर्षों में हुए परिवर्तन, 1960 से भारत सरकार के रक्षा बजट की प्रवृत्तियों और वर्तमान समय में आर्थिक विकास एवं संपोषित विकास हेतु शांति की आवश्यकता पर प्रकाश डाला।

वेबिनार में विभिन्न महाविद्यालयों के विद्यार्थियों के अतिरिक्त शासकीय शहीद गेंदसिंह महाविद्यालय चारामा के सुधीर कुमार साहू, धर्मेंद्र सिन्हा, अनूप कुमार यादव, शासकीय नवीन महाविद्यालय पाली के प्रो. टीकाराम कश्यप, शासकीय महाविद्यालय अंतागढ़ के प्रो. दीपक देवांगन, शासकीय महाविद्यालय बिछिया, जिला-मंडला मध्यप्रदेश के कछवाहा सम्मिलित हुए थे।

Principal
Govt. Shaheed Gendsingh College Charama
Distt. Uttar Bastar Kanker (C.G.)

पत्रिका
कांकेर, शुक्रवार, 17 सितंबर 2021
patrika.com

## आयोजन : ओजोन के क्षरण से खतरा

# विश्व ओजोन दिवस पर आनलाइन क्विज, पोस्टर प्रदर्शनी लगी

**पत्रिका न्यूज नेटवर्क**
patrika.com

**चारामा.** शासकीय शहीद गेंदसिंह महाविद्यालय चारामा में गुरुवार को विश्व ओजोन दिवस के अवसर पर ओजोन परत के संरक्षण और जनजागरुकता के लिए आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ द्वारा ऑनलाइन क्विज, प्रोस्टर प्रदर्शनी और व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस दौरान व्याख्यान में बताया गया कि ओजोन परत, ओजोन गैस की हमारी पृथ्वी के उपर एक रक्षा कवच है, जो पृथ्वी में सूर्य की हानिकारक पराबैंगनी किरणों को आने से रोकती है और इस प्रकार यह मानव, पादप और जीव-जंतुओं की रक्षा करती है। हमारे वायुमंडल के उपरी परत में 18 से 35 किमी के मध्य ओजोन गैस पाई जाती है।

मनुष्य के उपभोक्तावादी प्रवृत्ति ने ओजोन परत को नुकसान पहुंचाया है। मुनष्य द्वारा उत्पादित विभिन्न वस्तुओं जैसे रेफ्रिजरेटर, एयर कंडिशनिंग उपकरण आदि से हानिकारक कार्बन, फ्लोरिन, क्लोरिन और हाईड्रोजन गैसों का उत्सर्जन हो रहा है और इन गैसों के कारण ओजोन परत का नुकसान है। पराबैंगनी किरणों के कारण भूमंडलीय तापन में वृद्धि, जलवायु परिवर्तन, त्वचा कैंसर, आनुवांशिक विसंगतियां, मोतियाबिंद, समुद्रीय शैवालों और 'अन्य जलीय जीव पर कुप्रभाव, पौधों के विकास पर कुप्रभाव पड़ रहा है। आगे बताया गया कि 1984 में ब्रिटिश आर्कटिक सर्वे के अध्ययन में जब पता चला कि अंटार्टिका में ओजोन परत में क्षरण हुआ है तो वैश्विक स्तर पर ओजोन परत के संरक्षण और हानिकारक गैसों के उत्सर्जन को रोकने 22 मार्च 1985 को 28 देशों ने वियेना में सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस सम्मेलन के पश्चात् 16 सितम्बर 1987 को मोंट्रियल में विश्व के अधिकांश देशों ने एक संधि पर हस्ताक्षर कर ओजोन परत के संरक्षण के लिए अपनी प्रतिबद्धता प्रकट किया। महाविद्यालय में ओजोन दिवस पर आयोजित पोस्टर प्रदर्शनी में बीएससी भाग एक की छात्रा मनीषा सिन्हा, केशमणी सिन्हा, मोनिका साहू, मुन्ना लाल साहू, बीए भाग दो की छात्रा पूनम भेड़िया, प्रिया माहला और बीकॉम भाग एक की छात्रा मोनिका यादव ने पोस्टर के माध्यम से और मानव श्रृंखला बनाकर ओजोन परत के संरक्षण के महत्व को बताया। विद्यार्थियों के लिए ऑनलाइन क्विज का भी आयोजन किया गया। जिसमें 54 विद्यार्थियों ने भाग लिया। इस अवसर पर आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ के संयोजक प्रो. रवीन्द्र सिंह चंद्रवंशी ने वियेना सम्मेलन और मोंट्रियल प्रोटोकॉल के बारे में बताकर विश्व के देशों का ओजोन परत के संरक्षण के संदर्भ में प्रतिबद्धता को स्पष्ट किया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. केके मरकाम ने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि ओजोन परत के क्षरण को रोकने के लिए सभी मिलकर कार्य करें। जिससे भू-मंडलीय ताप एवं जलवायु परिवर्तन के कुप्रभावों से बचा जा सकेगा। इस कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्रो. कमलनारायण ठाकुर, हितेंद्र बोरकर, लक्ष्मीछाया भोजवानी, नदंनी साहू, धर्मेंद्र [illegible] ठाकुर, सोमनाथ साहू, देवलाल कावड़े और विद्यार्थी उपस्थित थे।

Principal
Govt. Shaheed Gendsingh College C...
Distt. Uttar Bastar Kanker (C.G.)

नईदुनिया
रायपुर, शुक्रवार 17 सितंबर, 2021



# विश्व ओजोन दिवस पर संरक्षण को लेकर पोस्टर प्रदर्शनी व व्याख्यान

**चारामा(नईदुनिया न्यूज)।** शासकीय शहीद गेंदसिंह महाविद्यालय चारामा में 16 सितंबर को विश्व ओजोन दिवस के अवसर पर ओजोन परत के संरक्षण और जनजागरूकता हेतु आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ द्वारा आनलाइन क्विज, प्रोस्टर प्रदर्शनी और व्याख्यान का आयोजन किया गया।

ओजोन परत, ओजोन गैस की हमारी पृथ्वी के उपर एक रक्षा कवच है, जो पृथ्वी में सूर्य की हानिकारक पराबैगनी किरणों को आने से रोकता है और इस प्रकार यह मानव, पादप, और जीव-जंतुओ की रक्षा करता है। हमारे वायुमंडल की उपरी परत में 18 से 35 किमी के मध्य ओजोन गैस पायी जाती है। मनुष्य के उपभोक्तावादी प्रवृत्ति ने ओजोन परत को नुकसान पहुंचाया है। मुनष्य द्वारा उत्पादित विभिन्न वस्तुओं जैसे रेफ्रिजरेटर, एयर कंडिशनिंग उपकरण आदि से हानिकारक कार्बन, फ्लोरिन, क्लोरिन और हाईड्रोजन गैसों का उत्सर्जन हो रहा है और इन गैसों के कारण ओजोन परत का नुकसान हुआ है।

पराबैगनी किरणों के कारण भूमंडलीय तापन में वृद्धि, जलवायु परिवर्तन, त्वचा कैंसर, आनुवांशिक विसंगतियाँ, मोतियाबिंद, समुद्रीय शैवालों और अन्य जलीय जीव पर कुप्रभाव, पौधों के विकास पर कुप्रभाव पड़ रहा है। 1984 में ब्रिटिश आर्कटिक सर्वे के अध्ययन में जब पता चला कि अंटार्टिका में ओजोन परत में क्षरण हुआ है तो वैश्विक स्तर पर ओजोन परत के संरक्षण और हानिकारकारक गैसों के उत्सर्जन को रोकने के लिए 22 मार्च, 1985 को 28 देशों ने वियेना में सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस सम्मेलन के पश्चात 16 सितम्बर, 1987 को मोट्रियल में विश्व के अधिकांश देशों ने एक संधि पर हस्ताक्षर कर ओजोन परत के संरक्षण के लिए अपनी प्रतिबद्धता प्रकट किये।

महाविद्यालय में ओजोन दिवस पर आयोजित पोस्टर प्रदर्शनी में बीएससी भाग एक की छात्रा मनीषा सिन्हा, केशमणी सिन्हा, मोनिका साहू, मुन्ना लाल साहू , बीए भाग दो की छात्रा पूनम भेड़िया, प्रिया माहला और बीकाम.भाग एक की छात्रा मोनिका यादव ने पोस्टर के माध्यम से और मानव श्रृंखला बना कर ओजोन परत के संरक्षण के महत्व को बताया। विद्यार्थियों के लिए आनलाईन क्विज का भी आयोजन किया गया था, जिसमें 54 विद्यार्थियों ने भाग लिया। इस अवसर पर आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ के संयोजक प्रोफेसर रवीन्द्र सिंह चंद्रवंशी ने वियेना सम्मेलन और मोट्रियल प्रोटोकाल के बारे में बता कर विश्व के देशों का ओजोन परत के संरक्षण के संदर्भ में प्रतिबद्धता को स्पष्ट किया।

महाविद्यालय परिसर में मौजूद छात्र-छात्राएं। ● नईदुनिया

महाविद्यालय के प्राचार्य डा. केके मरकाम ने विद्यार्थियों से आहवान किया कि ओजोन परत के क्षरण को रोकने के लिए सभी मिल कर कार्य करें, जिससे भूमंडलीय ताप एवं जलवायु परिवर्तन के कुप्रभावों से बचा जा सके। इस कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्रो. कमलनारायण ठाकुर, हितेंद्र बोरकर, लक्ष्मीछाया भोजवानी, नदंनी साहू, धर्मेंद्र सिन्हा, रूपेंद्र ठाकुर, सोमनाथ साहू, देवलाल कावड़े, नरेश साहू सहित विद्यार्थीगण उपस्थित थे।

Principal
Govt. Shaheed Gendsingh College Charama
Distt. Uttar Bastar Kanker (C.G.)

आयोजन

# अंतरराष्ट्रीय साक्षरता दिवस पर दी अर्थशास्त्र की जानकारी

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

**चारामा.** शासकीय शहीद गेंदसिंह महाविद्यालय चारामा में 8 सितम्बर को अंतरराष्ट्रीय साक्षरता दिवस के अवसर पर अर्थशास्त्र विभाग एवं आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ द्वारा जनजागरुकता के लिए व्याख्यान का आयोजन किया गया। संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक एवं सांस्कृतिक संगठन यूनेस्को द्वारा वर्ष 1966 में प्रति वर्ष 8 सितम्बर को साक्षरता के महत्व को दर्शाने एवं प्रचार-प्रसार के लिए अंतरराष्ट्रीय साक्षरता दिवस मनाने का निर्णय लिया गया।

वर्ष 1967 से संयुक्त राष्ट्र संघ के जितने सदस्य हैं, उनके द्वारा प्रति वर्ष 8 सितम्बर को अंतरराष्ट्रीय साक्षरता दिवस मनाया जाता है। इस दौरान बताया गया कि किसी भी देश, समाज, समुदाय के लिए साक्षरता आर्थिक विकास का एक पैमाना है। जिन देशों में साक्षरता की दर अधिक है, वहां आर्थिक विकास की दर अधिक है। 2011 की जनगणना के अनुसार भारत की साक्षरता दर 74 प्रतिशत और छत्तीसगढ़ की साक्षरता दर 71.04 प्रतिशत है। अब भी भारत में जनसंख्या का एक बड़ा भाग निरक्षर है। निरक्षरता के कारण व्यक्ति की आर्थिक स्थिति में सुधार नहीं हो पाता है और व्यक्ति गरीबी के दुष्चक्र में फंस कर गरीब का गरीब ही रहता है। इस कार्यक्रम में अर्थशास्त्र विभाग के प्रोफेसर रवीन्द्र सिंह चंद्रवंशी ने पावरपॉइंट प्रेजेंटेसन के माध्यम से विद्यार्थियों को साक्षरता का अर्थ, साक्षरता का महत्व, निरक्षरता के कारण और साक्षरता के लिए सरकार द्वारा किए जा रहे प्रयासों के बारे में विस्तार से बताया। प्रोफेसर चंद्रवंशी ने अपने व्याख्यान में कहा कि भारत में गरीबी, लिंग के आधार पर भेदभाव, जातिगत भेदभाव आदि के कारण व्यक्ति शिक्षा से वंचित हो जाता है। उनके अनुसार देश में साक्षरता के विस्तार के लिए शिक्षा का अधिकार अधिनियम-2009 एक महत्वपूर्ण कदम है। कार्यक्रम के अंत में महाविद्यालय के प्राचार्य डा. केके परकाम ने इस अवसर पर कहा कि स्वतंत्रता के पश्चात् प्रथम जनगणना 1951 में भारत की साक्षरता दर मात्र 18 प्रतिशत थी और महिला साक्षरता की दर 8 प्रतिशत, लेकिन जिस प्रकार से साक्षरता दर में वृद्धि होनी थी वह आज पर्यंत तक नहीं हो पाई है और इसका कारण भारत की तीव्र जनसंख्या वृद्धि है। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्रोफेसर एमएल नेताम, प्रोफेसर हेम प्रसाद पटेल, प्रोफेसर कुलेश्वर प्रसाद, तितेंद्र बोरकर, हरिराम साहू, रूपेंद्र ठाकुर, धर्मेंद्र सिन्हा, सुधीर कुमार साहू, मधु कावड़े, सोमनाथ साहू, जीतेंद्र ठाकुर, नरेश साहू, नंदनी साहू, जितेंद्र नागराज एवं विद्यार्थी उपस्थित थे।

Principal
Govt. Shaheed Gendsingh College Charama
Distt. Uttar Bastar Kanker (C.G.)

साक्षरता दिवस

शासकीय शहीद गेंदसिंह महाविद्यालय में बुधवार को मनाया गया अंतरराष्ट्रीय साक्षरता दिवस

# देश, समाज, समुदाय के लिए साक्षरता, आर्थिक विकास का पैमाना

**चारामा (नईदुनिया न्यूज)।** शासकीय शहीद गेंदसिंह महाविद्यालय में आठ सितंबर को अंतरराष्ट्रीय साक्षरता दिवस के अवसर पर अर्थशास्त्र विभाग एवं आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ द्वारा जनजागरूकता हेतु व्याख्यान का आयोजन किया गया। संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, विज्ञानिक एवं सांस्कृतिक संगठन (यूनेस्को) द्वारा वर्ष 1966 में प्रति वर्ष आठ सितंबर को साक्षरता के महत्व को दर्शाने एवं प्रचार-प्रसार के लिए अंतरराष्ट्रीय साक्षरता दिवस मनाने का निर्णय लिया गया।

1967 से संयुक्त राष्ट्र संघ के जितने सदस्य हैं, उनके द्वारा प्रति वर्ष आठ सितंबर को अंतरराष्ट्रीय साक्षरता दिवस मनाया जाता है। किसी भी देश, समाज, समुदाय के लिए साक्षरता आर्थिक विकास का एक पैमाना है, जिन देशों में साक्षरता की दर अधिक है, वहां आर्थिक विकास की दर अधिक है। 2011 की जनगणना के अनुसार भारत की साक्षरता दर 74 प्रतिशत और छत्तीसगढ़ की साक्षरता दर 71.04 प्रतिशत है।

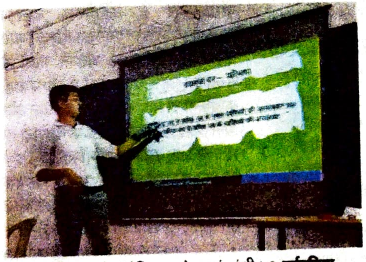

साक्षरता दिवस को संबोधित करते हुए चंद्रवंशी। ● नईदुनिया

महाविद्यालय स्टाफ व छात्र-छात्राएं मौजूद। ● नईदुनिया

अभी भी भारत में जनसंख्या का एक बड़ा भाग निरक्षर है। निरक्षरता के कारण व्यक्ति की आर्थिक स्थिति में सुधार नहीं हो पाता है और व्यक्ति गरीबी के दुष्चक्र में फंस कर गरीब का गरीब ही रहता है। इस कार्यक्रम में अर्थशास्त्र विभाग के प्रो. रवीन्द्र सिंह चंदवंशी ने पावरपॉइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से विद्यार्थियों को साक्षरता का अर्थ, साक्षरता का महत्व, निरक्षरता के कारण और साक्षरता हेतु सरकार के द्वारा किये जा रहे प्रयासों के बारे में विस्तार से बताया।

**शिक्षा का अधिकारी महत्वपूर्ण कदम:** प्रो. चंद्रवंशी ने अपने व्याख्यान में कहा कि भारत में गरीबी, लिंग के आधार पर भेदभाव, जातिगत भेदभाव आदि के कारण व्यक्ति शिक्षा से वंचित हो जाता है। उनके अनुसार, देश में साक्षरता के विस्तार के लिए शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2009 एक महत्वपूर्ण कदम है। कार्यक्रम के अंत में महाविद्यालय के प्राचार्य डा. केके मरकाम ने इस अवसर पर कहा कि स्वतंत्रता के पश्चात प्रथम जनगणना 1951 में भारत की साक्षरता दर मात्र 18 प्रतिशित थी और महिला साक्षरता की दर 8 प्रतिशत, लेकिन जिस प्रकार से साक्षरता दर में वृद्धि होनी थी। वह आज पर्यंत तक नहीं हो पाई है । इसका कारण भारत की तीव्र जनसंख्या वृद्धि है। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्रो. एमएल नेताम, प्रो हेम प्रसाद पटेल, प्रो. कुलेश्वर प्रसाद, हितेंद्र बोरकर, धर्मेंद्र सिन्हा, सुधीर कुमार साहू, मधु कावड़े, सोमनाथ साहू, जीतेंद्र ठाकुर, नरेश साहू, नंदनी साहू, जितेंद्र नागराज एवं विद्यार्थीगण उपस्थित थे।

Principal
Govt. Shaheed Gendsingh College Charam
Distt. Uttar Bastar Kanker (C.G.)

हरिभूमि

रायपुर - कांकेर भूमि

Date - 22 Sep'19

आयोजन : शहीद गैंदसिंह महाविद्यालय में हुए कार्यक्रम

# महाविद्यालय में विश्व शांति दिवस पर व्याख्यान माला का आयोजन

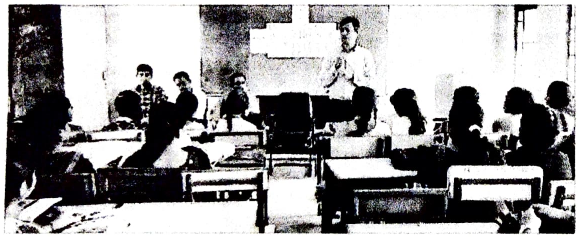

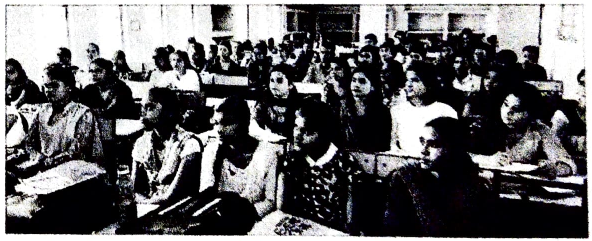

हरिभूमि न्यूज ▶▶ चारामा

शासकीय शहीद गेंदसिंह महाविद्यालय में 21 सितम्बर को विश्व शांति दिवस के अवसर पर व्याख्यान माला का आयोजन किया गया। संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा प्रति वर्ष 21 सितम्बर को विश्व शांति दिवस मनाया जाता है। इस दिवस को मनाने का मुख्य उद्देश्य विश्व स्तर पर समस्त देशों और वहां निवासरत नागरिकों के बीच शांति और सौहार्द्र को बनाए रखने का प्रयास करना और अंतर्राष्ट्रीय संघर्षों और झगड़ों को टालना है। संयुक्त राष्ट्र संघ ने इस बार का थीम क्लाइमेट एक्शन फॉर पीस रखा है। इस थीम के माध्यम से यह संदेश देने की कोशिश की जा रही है कि अगर जलवायु परिवर्तन पर नियंत्रण नहीं लगाया गया और कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया, तो शांति की स्थिति खतरे में पड़ जाएगी।

व्याख्यान के मुख्य वक्ता प्रोफेसर रवीन्द्र सिंह चंद्रवंशी ने कहा कि दिन प्रतिदिन पृथ्वी में औद्योगिक गतिविधियों, जीवाश्म ईंधन के प्रयोग, बढ़ती गाड़ियों की संख्या, कृषि संबंधित उत्पादों ,कोयला बिजली घर, एयर कंडीशनर आदि से ग्रीन हाउस गैसों का उत्सर्जन हो रहा है। ग्रीन हाउस गैसों में कार्बन डाईऑक्साइड, नाइट्रस आक्साइड, मिथेन, ओजोन आदि होते हैं। ग्रीन हाउस गैस में सबसे बड़ा भाग कार्बन डाईऑक्साइड का होता है। ग्रीन हाउस गैसों के कारण जलवायु परिवर्तन हो रहा है और पृथ्वी का तापमान बढ़ रहा है। अगर ग्रीन हाउस गैसों का उत्सर्जन निरंतर बढ़ता रहेगा तो 2050 तक पृथ्वी का तापमान 1.5 डिग्री बढ़ जाएगा और इसके परिणामस्वरूप कई द्वीप और समुद्र से लगे देशों में समुद्र जल का स्तर बढ़ जाएगा। प्रोफेसर चंद्रवंशी ने समस्त छात्र-छात्राओं एवं स्टाफ से आग्रह किया कि हमें ऐसी चीजों का कम से कम प्रयोग करना चाहिए। जिससे ग्रीन हाउस गैसों का उत्सर्जन होता हो।व्याख्यान माला के अंत में प्रोफेसर हेम प्रसाद पटेल द्वारा जलवायु परिवर्तन का मनुष्यों, जीव-जंतुओं एवं पादपों पर पड़ने वाले प्रभावों के बारे में बताया। इस व्याख्यान माला में महाविद्यालय के प्रोफेसर हेमप्रसाद पटेल, प्रोफेसर कुलेश्वर प्रसाद, जीवराखन जैन, राजकिशोर साहू, अनूप यादव, नरेश साहू, लालराम पटेल एवं समस्त छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

Principal
Govt. Shaheed Gendsingh College Charam
Distt. Uttar Bastar Kanker (C.G.)

## विश्व शांति दिवस पर व्याख्यान माला का आयोजन

# 2050 तक पृथ्वी का तापमान 1.5 डिग्री और बढ़ जाएगा : प्रो. रवीन्द

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

**चारामा.** शासकीय शहीद गेंदसिंह महाविद्यालय चारामा में विश्व शांति दिवस के अवसर पर व्याख्यानमाला का आयोजन किया गया। संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा प्रति वर्ष 21 सितम्बर को विश्व शांति दिवस मनाया जाता है। इस दिवस को मनाने का मुख्य उद्देश्य विश्व स्तर पर समस्त देशों और वहां निवासरत नागरिकों के बीच शांति और सौहार्द्र को बनाए रखने का प्रयास करना और अंतरराष्ट्रीय संघर्षों और झगड़ों को टालना है।

संयुक्त राष्ट्र संघ ने इस बार का थीम क्लाईमेट एक्शन फॉर पीस रखा है। इस थीम के माध्यम से यह संदेश देने की कोशिश की जा रही है कि अगर जलवायु परिवर्तन पर नियंत्रण नहीं लगाया गया और कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया तो शांति की स्थिति खतरे में पड़ जाएगी। व्याख्यान के मुख्य वक्ता प्रो. रवीन्द्र सिंह चंद्रवंशी ने कहा कि दिन प्रतिदिन पृथ्वी में औद्योगिक गतिविधियों, जीवाश्म ईंधन के प्रयोग, बढ़ती गाड़ियों की संख्या, कृषि संबंधित उत्पादों, कोयला बिजली घर, एयर कंडीशनर आदि से ग्रीन हाउस गैसों का उत्सर्जन हो रहा है। ग्रीन हाउस गैसों में कार्बन डाईऑक्साईड, नाईट्रस आक्साईड, मीथेन, ओजोन आदि होते हैं। ग्रीन हाउस गैस में सबसे बड़ा भाग कार्बन डाईऑक्साईड का होता है। ग्रीन हाउस गैसों के कारण जलवायु परिवर्तन हो रहा है और पृथ्वी का तापमान बढ़ रहा है। अगर ग्रीन हाउस गैसों का उत्सर्जन निरंतर बढ़ता रहेगा तो 2050 तक पृथ्वी का तापमान 1.5 डिग्री बढ़ जाएगा और इसके परिणाम स्वरूप कई द्वीप और समुद्र से लगे देशों में समुद्र जल का स्तर बढ़ जाएगा। प्रो. चंद्रवंशी ने समस्त छात्र-छात्राओं एवं स्टॉफ से आग्रह किया कि हमें ऐसी चीजों का कम से कम प्रयोग करना चाहिए जिससें ग्रीन हाउस गैसों का उत्सर्जन होता हो। व्याख्यानमाला के अंत में प्रोफेसर हेम प्रसाद पटेल द्वारा जलवायु परिवर्तन का मनुष्यों, जीव-जंतुओं एवं पादपों पर पड़ने वाले प्रभावों के बारे में बताया गया।

आयोजन... विश्व शांति दिवस पर व्याख्यान माला में उपस्थित महाविद्यालय की छात्राएं।

पत्रिका Sun, 22 September 2019
epaper.patrika.com/c/43918582

Principal
Govt. Shaheed Gendsingh College Charam
Distt. Uttar Bastar Kanker (C.G.)

हरिभूमि

रायपुर - कांकेर भूमि

Date - 28 Sep'19

# विश्व पर्यटन दिवस पर कालेज में कार्यक्रम आयोजित

हरिभूमि न्यूज ▸▸ चारामा

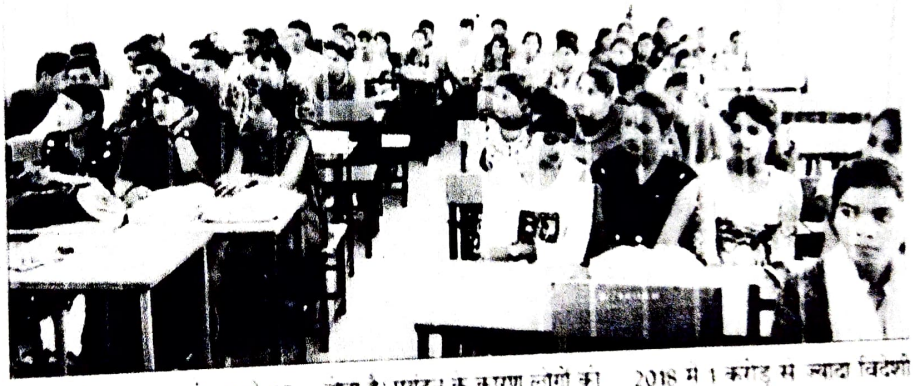



शासकीय शहीद गेंदसिंह महाविद्यालय चारामा में एक विशेष कार्यक्रम आयोजित कर छात्र छात्राओं एवं स्टाफ को विश्व पर्यटन दिवस के महत्व के बारे में बताया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. मरिना उइके ने कहा कि हमें छत्तीसगढ़ के पर्यटन स्थलों के संरक्षण एवं संवर्धन करना चाहिए, जिससे ज्यादा से ज्यादा स्थानीय निवासियों को रोजगार के अवसर मिल सके।

प्राचार्य ने छात्र-छात्राओं को चारामा ब्लॉक के पर्यटक स्थलों के बारे में संक्षेप में जानकारी लिख कर लाने को कहा। 1980 से प्रतिवर्ष 27 सितम्बर को संयुक्त राष्ट्र विश्व पर्यटन संगठन द्वारा विश्व पर्यटन दिवस मनाया जाता है। प्रति वर्ष विश्व पर्यटन दिवस का थीम अलग अलग होता है। इस वर्ष का थीम है पर्यटन एवं रोजगार सबके लिए एक बेहतर भविष्य पर था। विश्व पर्यटन दिवस को मनाने का उद्देश्य विश्व भर में पर्यटन की भूमिका के बारे में जागरूकता बढ़ाना और साथ ही आर्थिक, सामाजिक, सांस्कृतिक समरसता को बढ़ावा देना है। महाविद्यालय के प्रो. रवीन्द्र सिंह चंद्रवंशी ने पर्यटन एवं रोजगार के अवसरों एवं उसके आर्थिक अंतर सम्बन्धों के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने बताया कि पर्यटन के कारण किसी प्रदेश एवं देश आर्थिक रूप से पोषित होता है। पर्यटन के कारण लोगों को गाइड, फोटोग्राफर, कलाकार आदि के रूप में रोजगार मिलता है एवं स्थानीय छोटे एवं मझोले व्यवसाय को प्रोत्साहन मिलता है।

भारत में हिमाचल प्रदेश, उत्तराखण्ड एवं उत्तर पूर्वी राज्य पर्यटन के कारण ही आर्थिक रूप से विकास कर रहे हैं। प्रो. चंद्रवंशी के अनुसार 2017 में 1 अरब से ज्यादा घरेलू पर्यटकों ने भारत भर के पर्यटक स्थलों का सैर किया है व 2018 में 1 करोड़ से ज्यादा विदेशी पर्यटकों ने भारत के पर्यटक स्थल जयपुर, दिल्ली, आगरा, चेन्नई एवं मुम्बई आदि का भ्रमण किया। इसके फलस्वरूप भारत का विदेशी मुद्रा का भण्डार पर सकारात्मक प्रभाव पड़ा है। इस कार्यक्रम में छात्र छात्राओं के अतिरिक्त महाविद्यालय के प्रो. एमालाल नेताम, प्रो. [illegible] पटेल, प्रो. कुलेश्वर प्रसाद, [illegible] यादव, जीवनलाल जैन, नरेश साहू आदि उपस्थित थे।

KAM.
Principal
Govt. Shaheed Gendsingh College Ch
Distt. Uttar Bastar Kanker

4/12/2019

# गेंदसिंह कॉलेज में एड्स दिवस पर कार्यशाला का आयोजन

डॉ. पम्मी शर्मा एड्स से संबंधित जानकारी देते हुए। • नईदुनिया

**चारामा। नईदुनिया न्यूज**

शहीद गेंदसिंह शासकीय महाविद्यालय में एड्स से संबंधित एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन सामुदायिक स्वास्थ केंद्र द्वारा किया गया। इसमें डॉ. पम्मी शर्मा द्वारा छात्राओं को एड्स रोग से संबंधित बीमारियों और उसके रोकथाम के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई। साथ ही भाषण और प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें प्रथम आने वाले छात्रों को प्रतीक चिन्ह देकर पुरस्कृत किया गया।

एड्स संबंधित नारे लगवाएं। इस अवसर सुपरवाईजर जैन, गीताजली देवांगन, प्राचार्य डॉ. सरिता उइके, प्रो एमएल नेताम, डॉ. केके मरकाम, प्रो रविन्द्र चंद्रवंशी, अनुप यादव, जीवराखन जैन सहित महाविद्यालय के सभी छात्रा उपस्थित थे।

Principal
Govt. Shaheed Gendsingh College Charama
Distt. Uttar Bastar Kanker (C.G)

2019

# गेंदसिंह कॉलेज में एड्स दिवस पर कार्यशाला का आयोजन

डॉ. पम्मी शर्मा एड्स से संबंधित जानकारी देते हुए। ● नईदुनिया

**चारामा। नईदुनिया न्यूज**

शहीद गेंदसिंह शासकीय महाविद्यालय में एड्स से संबंधित एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन सामुदायिक स्वास्थ केंद्र द्वारा किया गया। इसमें डॉ. पम्मी शर्मा द्वारा छात्राओं को एड्स रोग से संबंधित बीमारियों और उसके रोकथाम के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई। साथ ही भाषण और प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें प्रथम आने वाले छात्रों को प्रतीक चिन्ह देकर पुरस्कृत किया गया।

एड्स संबंधित नारे लगवाएं। इस अवसर सुपरवाईजर जैन, गीताजली देवांगन, प्राचार्य डॉ. सरिता उइके, प्रों एमएल नेताम, डॉ. केके मरकाम, प्रों रविन्द्र चंद्रवंशी, अनुप यादव, जीवराखन जैन सहित महाविद्यालय के सभी छात्रा उपस्थित थे।

Principal
Govt. Shaheed Gendsingh College Charam

# महाविद्यालय में गांधी जयंती पर चलाया गया स्वच्छता का अभियान

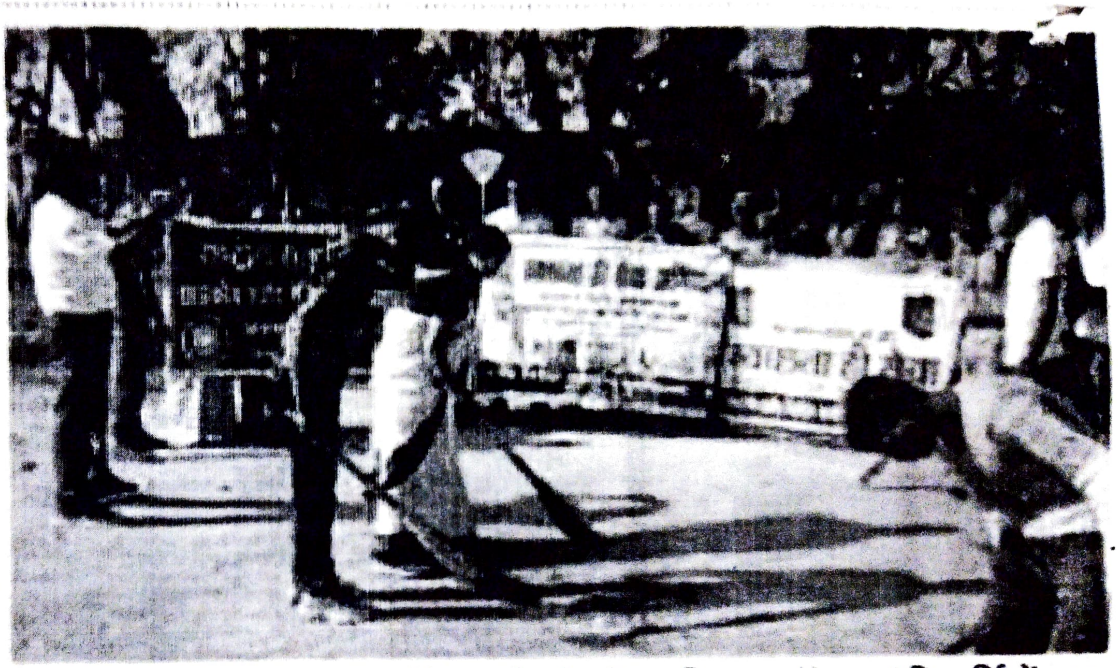

**चारामा.** शासकीय शहीद गेंदसिंह महाविद्यालय, चारामा में गांधीजी की 150वीं जयंती के अवसर पर 2 एवं 3 अक्टूबर को विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। दो अक्टूबर को सुबह 7.30 बजे से अधिकारी-कर्मचारी एवं एनसीसी कैडेटस द्वारा गांधी की प्रतिमा के सम्मुख पुष्प और दीप प्रज्ज्वलित करके श्रद्धा-सुमन अर्पित किया गया। प्राचार्य डॉ. सरिता उइके द्वारा भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में महात्मा गांधी के योगदान व उनके सामाजिक विचारों पर अपना व्याख्यान दिया। इसके पश्चात्, प्राचार्य के मार्गदर्शन में उपस्थित स्टॉफ एवं विद्यार्थियों द्वारा महाविद्यालय प्रांगण और यात्री प्रतिक्षालय की साफ-सफाई की गई। इस अवसर पर डॉ. केके. मरकाम, सीमा यादव, मधु कावड़े, जितेंद्र कुमार, सोमनाथ साहू, लक्ष्मीछाया भोजवानी आदि उपस्थित थे। इसी कड़ी में तीन अक्टूबर को निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में छाया यदू (बीए-भाग एक) ने प्रथम, महेश्वरी राव (बीए-भाग एक) ने द्वितीय और पंकज यदु (बीए-भाग एक) तृतीय स्थान प्राप्त किया। इसके साथ ही अर्थशास्त्र विभाग द्वारा 'वर्तमान परिदृष्य में गांधी के आर्थिक विचारों की प्रासांगिकता' विषय पर एक व्याख्यान का भी आयोजन किया गया।

Principal
Govt. Shaheed Gendsingh College Charar
Distt. Uttar Bastar Kanker (C.G.)

पत्रिका
Fri, 04 October 2019
epaper.patrika.com/c/44336389

# विश्व एड्स दिवस... भाषण में नामिका अव्वल

**चारामा|** सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र द्वारा विश्व एड्स दिवस पर शुक्रवार को शहीद गैंदसिंह कॉलेज में कार्यशाला का आयोजन किया गया। डॉ. अरविंद कोर्राम ने छात्र-छात्राओं को एचआईवी एड्स के फैलने के कारण एवं बचाव के तरीके, आईसीटीसी केंद्रों एवं आरटी उपचार केंद्रों की जानकारी दी। इस मौके पर भाषण प्रतियोगिता भी हुई। इसमें नामिका सिन्हा प्रथम, पूनम देवांगन द्वितीय रही। कार्यक्रम में प्राचार्य डॉ. सरिता उइके, डॉ. केके मरकाम, हेमप्रसाद पटेल, खुलेश्वर प्रसाद साहू, रवींद्र एस चंद्रवंशी, एमएल नेताम, डीएन देवांगन, जमुना नागेश, जीपी जैन, गीतांजलि देवांगन, विजय सिहंवान, दिलीप खोबरागढ़े, रेनुका सिन्हा उपस्थित थे।

Principal
Govt. Shaheed Gendsingh College Charama
Distt. Uttar Bastar Kanker (C.G.)

# गैंदसिंह कॉलेज में मनाया राष्ट्रीय विज्ञान दिवस

## डॉ.सीवी रमन को किया याद

**चारामा। नईदुनिया न्यूज**

नगर के शासकीय शहीद गैंदसिंह महाविद्यालय में प्रथम बार रसायन शास्त्र विभाग द्वारा राष्ट्रीय विज्ञान दिवस मनाया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. एमके देव, विभागाध्यक्ष, रसायनशास्त्र अध्ययन शाला पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर थे।

उन्होंने अपने उद्बोधन में डॉ. सीवी रमन की जीवनी पर प्रकाश डालते हुए रमन प्रभाव के संबंध में विस्तार से बताया। विशिष्ट अतिथि डॉ. डीपी बिसेन द्वारा विज्ञान के विकास के साथ प्रकाश के माध्यम का उदाहरण लेते हुए बताया कि किस प्रकार दीपक की लौ से लेकर एलईडी, सीएफएल जैसे बल्ब का अविष्कार हुआ। विशिष्ट अतिथि डॉ. कमलेश शुक्ला ने मशरूम कल्चर, मशरूम संवर्धन व मशरूम के प्रकार के बारे में अपने शोध का वाचन किया।

विज्ञान दिवस पर छात्र-छात्राओं को संबोधित करते अतिथि।

### प्रकाश के लौ से लेकर एलईडी तक के आविष्कार की दी जानकारी

वहीं डॉ. कमलेश श्रीवास ने बताया कि किस प्रकार आधुनिक विश्लेषण विधियों द्वारा पानी में उपस्थित विभिन्न तत्वों का परीक्षण किया जा सकता है। अन्य विशिष्ट अतिथि डॉ. मनमोहन लाल सतनामी द्वारा शिक्षाप्रद कहानी के माध्यम से छात्र/छात्राओं को प्रेरित किया कि वे भी विज्ञान के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान देकर नोबेल पुरस्कार प्राप्त कर सकते हैं। कार्यक्रम में अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सरिता उइके ने की। इस अवसर पर कार्यक्रम का संचालन आयोजन सचिव प्रो. रवीन्द्र सिंह चंद्रवंशी, हेम प्रसाद पटेल, प्रो. मनोहर लाल नेताम, प्रो. केके मरकाम, प्रो. कुलेश्वर प्रसाद, प्रो. अभिषेक मिश्र, जीवराखन जैन, हितेंद्र बोरकर, भूषण कावड़े आदि उपस्थित थे।

Principal
Govt. Shaheed Gendsingh College Charama
Distt. Uttar Bastar Kanker (C.G.)